दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

कॉउचर ट्रेंड्स इंडियन फैशन

एक ही आउटफिट से पाईए कई स्टाइलिश लुक, खिलेगा सफेद कुर्ता

वर्ष : 12 | अंक : 242 | लखनऊ, 26 अगस्त, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

तैयार हो रहा महिलाओं का एनएसजी कमांडो बैच

नई दिल्ली। देश की आतंकवाद विरोधी सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की परिचालन क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ट्रेनिंग अकादमी, मानेसर ने राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की महिला कर्मियों के लिए पहला महिला कमांडो कन्वर्जन कोर्स शुरू किया है। 12 सप्ताह की अवधि वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य महिला कर्मियों को शारीरिक रूप से सशक्त करना है।

मछुआरों की तलाश में जुटे 15 जहाज, 4 चॉपर

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के अमलापुरम इलाके से लापता सात मछुआरों का पता लगाने के लिए बंगाल की खाड़ी में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। इसके लिए कोस्ट गार्ड के 15 जहाज और चार हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। कृषि और मत्स्य पालन मंत्री किंजरापु अच्चन्नायडू ने बताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी), नौसेना के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला, राजनाथ सिंह ने दी मंजूरी

भारतीय कंपनियां बनाएंगी डीआरडीओ की विकसित मिसाइलें, स्वदेशी पर जोर

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की तकनीक भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इससे देश में इन मिसाइल प्रणालियों का स्वदेशी उत्पादन किया जा सकेगा। मंत्रालय के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना और देश के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में घरेलू उद्योगों की भागीदारी बढ़ाना है। तकनीक हस्तांतरण के बाद पात्र भारतीय कंपनियां पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की डीआरडीओ-विकसित तकनीकों का देश में उत्पादन कर सकेंगी। इसके लिए संबंधित योग्यताओं, प्रमाणन और नियामकीय आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह पहल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने और रक्षा विनिर्माण में भारतीय उद्योगों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को और मजबूती मिलेगी।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह पहल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने और रक्षा विनिर्माण में भारतीय उद्योगों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को और मजबूती मिलेगी

पात्र कंपनियां कर सकेंगी मिसाइलों का उत्पादन | स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूती मिलेगी

भागीदारी के नए अवसर पैदा होंगे

राजनाथ सिंह

मिसाइल

यह पहल मिसाइल प्रणालियों के विकास से औद्योगिक स्तर पर उत्पादन की ओर सफलतापूर्वक बदलाव को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य उन्नत रक्षा प्रणालियों के विकास और निर्माण में भारतीय उद्योग की क्षमताओं का प्रभावी इस्तेमाल करना है। इससे देश की घरेलू विनिर्माण क्षमता और रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करने के साथ भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा अन्य तकनीकी साझेदारों के लिए रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी के नए अवसर पैदा होंगे।

रक्षा उपकरणों के आयात पर कम होगी निर्भरता

इस पहल का एक प्रमुख उद्देश्य रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भरता कम करना और देश में रक्षा प्रणालियों के निर्माण में घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना है। इससे भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। डीआरडीओ ने कहा है कि वह उन्नत रक्षा तकनीकों के हस्तांतरण और उनके प्रभावी इस्तेमाल के लिए भारतीय उद्योग के साथ मिलकर काम करता रहेगा। यह कदम आत्मनिर्भर भारत के तहत देश की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को और मजबूत करेगा।

डीआरडीओ तकनीक हस्तांतरित

अब तक उन्नत मिसाइल प्रणालियों के विकास में डीआरडीओ की प्रमुख भूमिका रही है। नई व्यवस्था के तहत डीआरडीओ द्वारा विकसित तकनीक को निर्धारित योग्यता, प्रमाणन और नियामकीय आवश्यकताओं को पूरा करने वाले भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित किया जाएगा। इससे मिसाइल प्रणालियों के विकास और परीक्षण के बाद उन्हें औद्योगिक स्तर पर उत्पादन में बदलेंगी।

रक्षा उत्पादन में 15.6 % की बढ़ोतरी

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में रक्षा उत्पादन में 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2020-21 के 84,643 करोड़ रुपए के मुकाबले इसमें 110 फीसदी की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में स्वदेशी रक्षा उत्पादन करीब चार गुना बढ़ा है। वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात भी रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहा है। सरकार ने 2029 तक रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। सरकार ने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा था। निजी क्षेत्र भी भारत के रक्षा औद्योगिक आधार में एक अहम योगदानकर्ता के रूप में उभरा है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल रक्षा उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 24 प्रतिशत थी, जबकि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का योगदान लगभग 76 प्रतिशत रहा।

जापानी कंपनियों के प्रमुखों से मिले गोयल

भारत में करीब 6 लाख करोड़ निवेश करने का किया आह्वान

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

ईजी होसोई और पीयूष गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को जापान के प्रमुख वित्तीय एवं निवेश संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर भारत में दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह और निवेश साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने जापानी संस्थागत निवेश बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत ऐसी दीर्घकालिक साझेदारियां चाहता है, जो पूंजी के साथ प्रौद्योगिकी, नवाचार, विनिर्माण क्षमता, रोजगार और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से बेहतर एकीकरण लेकर आएं।

यह चर्चा अगले दशक में भारत में 10 लाख करोड़ येन यानी लगभग 5.99 लाख करोड़ रुपए के जापानी निजी निवेश जुटाने के लक्ष्य के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। बैठक में मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप (एमयूएफजी), डेवलपमेंट बैंक ऑफ जापान (डीबीजे), मिजुहो, मॉर्गन स्टेनली, नोमुरा और निप्पॉन लाइफ, टोयो इंजिनियरिंग के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए।

7.7% की आर्थिक वृद्धि का किया उल्लेख

गोयल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती रेखांकित करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था पिछले साल 7.7% बढ़ी। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने देश में बढ़ते मध्यम वर्ग और बढ़ती खर्च योग्य आय को भी निवेश के लिए महत्वपूर्ण आधार बताया। गोयल ने कहा कि सेमीकंडक्टर, कृत्रिम मेधा (एआई), डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, उन्नत विनिर्माण और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में जापानी कंपनियों के लिए बड़े अवसर मौजूद हैं।

इंजीनियरिंग क्षेत्र में भी सहयोग पर जोर

पीयूष गोयल ने टोयो इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन के रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ ईजी होसोई के साथ बैठक की। हमने भारत और जापान के बीच इंजीनियरिंग और इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। भारत का बढ़ता हुआ इंडस्ट्रियल बेस टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग पार्टनरशिप के लिए नए रास्ते खोलता है। जापानी वित्तीय संस्थानों ने भारत के साथ अपनी बढ़ती भागीदारी और देश की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं में भरोसा जताया।

समुद्र में गोताखोरी से पनडुब्बी बचाव तक करेगा मदद

नौसेना के बेड़े में शामिल होगा 'निपुण', 31 अगस्त को ऑपरेशनल सफर की शुरूआत

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारतीय नौसेना का दूसरा स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट पोत 'निपुण' नौसैनिक बेड़े में शामिल होने जा रहा है। 'निपुण' को खास तौर पर गहरे समुद्र में गोताखोरी और पानी के नीचे होने वाले मिशन अंजाम देने के लिए तैयार किया गया है। जहां सामान्य पोत समुद्र की सतह पर काम करते हैं, वहीं 'निपुण' की भूमिका समुद्र की गहराइयों तक जाती है। इसमें आधुनिक गोताखोरी प्रणालियां लगाई गई हैं। इनके जरिए कठिन समुद्री परिस्थितियों में लंबे समय तक गोताखोरों को सहायता दी जा सकती है।

दूसरा स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट पोत 'निपुण'

निस्तार श्रेणी का दूसरा डाइविंग सपोर्ट पोत

पानी के नीचे किसी वस्तु की जांच हो या जटिल हस्तक्षेप अभियान, 'निपुण' इसके लिए भी तैयार रहेगा। इसको 31 अगस्त को नौसेना में शामिल किया जाएगा। 'निपुण' भारतीय नौसेना की पनडुब्बी बचाव क्षमता को भी मजबूत करेगा। यह पनडुब्बी के समुद्र की गहराई में फंसने पर बचाएगा।

आधुनिक प्रणालियों से लैस

'निपुण' में आधुनिक नौवहन और पोत प्रबंधन प्रणालियां लगाई गई हैं। इसमें सटीक स्थिति बनाए रखने की क्षमता भी है। इसका फायदा पानी के नीचे जटिल अभियानों के दौरान मिलेगा। पोत समुद्र में अपनी स्थिति को नियंत्रित रखते हुए गोताखोरों को लगातार सहायता दे सकेगा। 'निपुण' का डिजाइन और निर्माण पूरी तरह भारत में हुआ है। इसे हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड, विशाखापत्तनम ने बनाया है। यह भारत की रक्षा जहाज निर्माण क्षमता के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बीजिंग में वर्ल्ड ह्यूमनाइड गेम शो

666 टीमें और 2,056 रोबोट ने लिया हिस्सा, दुनिया हैरान

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

चीन की राजधानी बीजिंग में 22 से 26 अगस्त तक दूसरे वर्ल्ड ह्यूमेनॉइड रोबोट गेम्स का आयोजन हो रहा है। इस प्रतियोगिता में 666 टीमें और 2,056 ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान रोबोट्स के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। कुछ रोबोट्स ने अपनी शानदार स्पीड और तकनीकी क्षमता से लोगों को हैरान कर दिया, तो कुछ रोबोट अपने प्रदर्शन के दौरान ऐसी गलतियां कर बैठे कि उनके वाकये सोशल मीडिया पर मजेदार कंटेंट बन गए।

टेनिस खेलता रोबोट

टेनिस में बिना मिस्टेक 100 प्लस शॉट

गलबोट रोबोटिक्स कंपनी के रोबोट ने पूरी तरह से ऑटोनॉमस (मोड में 100 से ज्यादा लगातार टेनिस शॉट बिना एक भी गलती के पूरी कीं। लाइव टेलीकास्ट में रोबोट का यह सटीक टाइमिंग और रिफ्लेक्स देखने लायक था। एक अन्य रोबोट ने स्टेज पर फ्लेक्सिबल ब्रेकडांस मूव्स दिखाए।

थाईलैंड में भारत के साथ मैत्री-15 युद्धाभ्यास

आत्मरक्षा की तकनीकों का किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मैत्री-15' में दोनों देशों के सैनिक हथियारों और रणनीति के साथ एक-दूसरे की युद्धकला, नजदीकी लड़ाई की तकनीक और आतंकवाद रोधी अभियानों का अनुभव भी साझा कर रहे हैं। अभ्यास के दौरान रॉयल थाई सेना ने अपनी प्रसिद्ध मुए थाई युद्धकला का प्रदर्शन किया, जबकि भारतीय सेना ने आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन (एएमएआर) के जरिए नजदीकी मुकाबले और आत्मरक्षा की तकनीकों का प्रदर्शन किया। दोनों सेनाओं की शारीरिक क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास और परिचालन तत्परता नजर आई। भारतीय सैनिकों ने अपने वास्तविक परिचालन अनुभव भी थाई सैनिकों के साथ साझा किए। अभ्यास के दौरान मोबाइल वाहन जांच चौकी, घेराबंदी और तलाशी अभियान तथा आतंकी ठिकानों में प्रवेश जैसी परिस्थितियों का संयुक्त अभ्यास किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल और आतंकवाद रोधी अभियानों में संयुक्त क्षमता को मजबूत करना है।

नौवें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन में गृह मंत्री शाह के निर्देश

घुसपैठ रोकने के लिए कड़े कदम उठाएं एजेंसियां

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी एजेंसियों को घुसपैठ को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का निर्देश दिया है। नई दिल्ली में नौवें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2026 में गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया कि विभिन्न राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को तैयार करने के लिए बहु-एजेंसी केंद्र- एमएसी मंचों पर उपलब्ध सूचनाओं का एआई-आधारित विश्लेषण किया जाना चाहिए।

आतंकवाद और कट्टरपंथ से प्रभावी ढंग से निपटें

सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

प्रहार योजना का क्रियान्वयन करें

आतंकवाद और कट्टरपंथ से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए शाह ने गृह मंत्रालय की प्रहार योजना के कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षण, भगोड़ों को वापस लाकर और अनुपस्थिति में सुनवाई के प्रावधानों का उपयोग करके मुकदमों में तेजी लाने तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम – यूएपीए मामलों की जांच करते समय एक व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया।

मादक पदार्थों पर नियंत्रण करें

सम्मेलन के पहले दिन राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई। इनमें आतंकवाद विरोधी चुनौतियों का सामना करने, बहु-एजेंसी केंद्र के माध्यम से खुफिया जानकारी के एकीकरण, विश्लेषण और संचालन, मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए एक रणनीतिक दस्तावेज, अवैध प्रवासियों का पता लगाकर उन्हें निर्वासित करने, साइबर अपराध से निपटने के लिए एक नीतिगत ढांचा और पाकिस्तान द्वारा परोक्ष युद्ध को लेकर चर्चा की गई। उद्घाटन से पहले शाह ने शहीद स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता की रक्षा के लिए कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले खुफिया ब्यूरो के बहादुर कर्मियों को श्रद्धांजलि दी।

हवाई प्रणालियों से उत्पन्न खतरों से करें बचाव

सम्मेलन में दूसरे दिन आज हवाई प्रणालियों से उत्पन्न खतरों और उनके प्रतिकार उपायों को तैयार करने, समुद्री अर्थव्यवस्था को सुरक्षित बनाने, सूचना युद्ध और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके प्रभावों और जैव सुरक्षा ढांचे की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

'ब्रेन ईटिंग अमीबा' ने ली 8 साल की बच्ची की जान

वॉशिंगटन। यूनाइटेड स्टेट्स के राज्य लुइसियाना में 8 साल की बच्ची की मौत हो गई है। इस बच्ची का नाम लिलियन स्मार्ट था। अपने आठवें जन्मदिन के ठीक एक दिन बाद इस बच्ची से दुर्लभ बीमारी से लड़ते हुए दम तोड़ दिया। लिलियन स्मार्ट को एक स्थानीय झील में तैरते समय 'नेगलेरिया फाउलेरी' नाम के अमीबा से दिमाग का एक दुर्लभ और आमतौर पर जानलेवा इन्फेक्शन हो गया था। लिलियन स्मार्ट की मौत शनिवार को रस्टन के एक अस्पताल में हुई।

अमेरिका ने कसा ईरान पर शिकंजा

पेट्रोलियम कारोबार से जुड़ी भारत की 4 कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

अमेरिका ने ईरान से जुड़े पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल कारोबार तथा खरीद नेटवर्क में कथित भूमिका को लेकर भारत की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, यह कार्रवाई ईरान की सैन्य गतिविधियों, खरीद नेटवर्क और पेट्रोलियम-पेट्रोकेमिकल कारोबार को निशाना बनाने वाले 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' के तहत की गई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने जिन भारतीय कंपनियों का नाम लिया है, उनमें पोर्टईज पार्टनर्स एलएलपी, सदाशिवा ओवरसीज लि., पीपी सॉफ्टटेक प्रा. लि. और प्रकृतीज इंफ्रा इम्पेक्स इंडिया प्रा. लि. शामिल हैं। अमेरिका ने इन कंपनियों पर ईरानी मूल के पेट्रोलियम या पेट्रोकेमिकल उत्पादों के कारोबार में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। दावा है कि पोर्टईज पार्टनर्स एलएलपी ने ईरान से भारत में कई खेपों में पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात में मदद की। विभाग ने इसके दो नामित साझेदारों के तौर पर भारतीय नागरिक इंद्रिस्मिया अशरफमिया शेख और हरीश रामचंद्र रंगी का उल्लेख किया है।

यात्री राहत योजना बनी दुर्घटना पीड़ितों का सहारा

बस हादसों में पीड़ितों का सहारा बनी योगी सरकार की यात्री राहत योजना, 9 साल में 17.33 करोड़ की मदद

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों से होने वाली दुर्घटनाओं में यात्रियों और अन्य प्रभावित लोगों को आर्थिक सहारा देने के लिए संचालित यात्री राहत एवं सुरक्षा योजना पीड़ित परिवारों के लिए बड़ी मदद का माध्यम बनी है। वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2025-26 के बीच मृत्यु और घायल होने के कुल 342 मामलों में 17.33 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता दी गई है।

योजना के तहत वर्ष 2017 से पहले उपलब्ध दो वर्षों 2015-16 और 2016-17 में मृत्यु के आठ मामलों में 40 लाख रुपये की सहायता दी गई थी। इसके बाद वर्ष 2017-18 से 2025-26 तक नौ वर्षों में मृत्यु के 322 मामलों में करीब 17.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। वहीं घायल

- **योगी सरकार ने नौ वर्षों में 17.33 करोड़ रुपये की सहायता दी**
- **मृतकों के आश्रितों और घायलों को मिला लाभ, अब राहगीरों को भी मिलेगा लाभ**

यात्रियों के 20 मामलों में 24.37 लाख रुपये की सहायता दी गई। वर्ष 2017-18 से 2025-26 के दौरान मृतकों के आश्रितों को लगातार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। इस अवधि में सबसे अधिक वर्ष 2019-20 में 78 मृत्यु मामलों में करीब 3.68 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। वर्ष 2021-22 में 48 मामलों में लगभग 2.37 करोड़ रुपये, 2017-18 में 42 मामलों में करीब 2.10 करोड़ रुपये, 2023-24 में 32 मामलों में 1.85 करोड़ रुपये और 2025-26 में 27 मामलों में 1.97 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। परिवहन निगम के अधिकारियों के अनुसार सड़क दुर्घटना में जान गंवाने या घायल होने वाले लोगों और उनके परिवारों को तत्काल आर्थिक राहत उपलब्ध कराने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए चालकों, कर्मचारियों और बसों के बेड़े की नियमित निगरानी की जा रही है। योजना के नए प्रावधानों में दुर्घटना में मृत्यु होने पर राहत राशि बढ़ाई गई है। वयस्क यात्री की मृत्यु पर 7.50 लाख रुपये, आधा टिकट लेने वाले बच्चे की मृत्यु पर 3.75 लाख रुपये और परिवहन निगम के नियमों के तहत निशुल्क यात्रा करने वाले छोटे बच्चे की मृत्यु पर करीब 1.87 लाख रुपये की सहायता निर्धारित की गई है। इससे दुर्घटना में परिवार के कमाने वाले सदस्य की मृत्यु होने पर आश्रितों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। बस दुर्घटना में घायल होने वाले यात्रियों के लिए भी योजना में आर्थिक सहायता का प्रावधान है। सामान्य रूप से घायल होने पर उपचार के लिए 10 हजार रुपये तक और गंभीर रूप से घायल होने पर 25 हजार रुपये तक की अग्रिम सहायता संबंधित अधिकारी द्वारा दी जा सकती है। यदि प्रारंभिक सहायता के बाद उपचार पर अधिक खर्च आता है तो चिकित्सकीय उपचार के प्रमाणित बिल और संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से जारी स्वास्थ्य लाभ प्रमाणपत्र के आधार पर आगे की सहायता की प्रक्रिया पूरी की जाती है। योजना के मूल प्रावधानों के तहत सामान्य चोट के लिए अधिकतम 25 हजार रुपये, गंभीर चोट के लिए एक लाख रुपये और अति गंभीर चोट अथवा शरीर के 50 प्रतिशत से अधिक जलने जैसी स्थिति में 2.50 लाख रुपये तक सहायता का प्रावधान है। यात्री राहत योजना का दायरा अप्रैल 2026 में और बढ़ाया गया है। अब ऐसे राहगीर या अन्य व्यक्ति, जो निगम की बस में यात्रा नहीं कर रहे हों, लेकिन निगम अथवा अनुबंधित बस की दुर्घटना में घायल या मृत हो जाते हैं, उन्हें भी योजना के दायरे में शामिल किया गया है। ऐसे व्यक्ति की दुर्घटना में मृत्यु होने पर 5 लाख रुपये तक और गंभीर रूप से घायल होने पर 2.50 लाख रुपये तक सहायता का प्रावधान किया गया है। हालांकि, पुलिस रिपोर्ट और परिवहन निगम के जांच अधिकारी की रिपोर्ट में यदि दुर्घटना के लिए संबंधित व्यक्ति की लापरवाही सामने आती है तो योजना के तहत आर्थिक सहायता नहीं दी जाएगी। सरकार और परिवहन निगम का कहना है कि योजना का उद्देश्य दुर्घटना के बाद पीड़ितों और उनके परिवारों को तत्काल आर्थिक सहारा उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुए दुर्घटनाओं की संख्या कम करने पर भी लगातार जोर दिया जा रहा है।

लखनऊ-हरदोई में 1000 एकड़ में बनेगा पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लखनऊ-हरदोई सीमा पर 1000 एकड़ यानी 404.69 हेक्टेयर भूमि पर ह्यपीएम मित्र मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं परिधान पार्कह्न विकसित करने से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। पार्क का विकास पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (ढढढ) मॉडल पर किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने पीपीपीएसी और प्री-बिड बैठकों में मिले सुझावों को शामिल करते हुए मास्टर डेवलपर के चयन के लिए संशोधित आरएफपी और ड्राफ्ट कंसेशन एग्रीमेंट को भी मंजूरी प्रदान की है।

प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5ऋ विजन–फार्म से फाइबर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन

- **एक लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार**

और फैशन से फॉरेन–को साकार करने की दिशा में पीएम मित्र पार्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से करीब एक लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। पार्क के निर्माण से लखनऊ-हरदोई क्षेत्र में औद्योगिक विकास के साथ निवेश और व्यापार को भी गति मिलने की उम्मीद है। प्रमुख सचिव अनिल सागर ने बताया कि देशभर में सात मेगा वस्त्र एवं परिधान पार्क विकसित किए जाने की योजना के तहत उत्तर प्रदेश में इस पार्क की स्थापना की जा रही है। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए ह्यपीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश लिमिटेडह्न नाम से स्पेशल पर्पज व्हीकल का गठन किया जा चुका है। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार की 51 प्रतिशत और भारत सरकार की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

धरने में पहुंचे पूर्व विधायक, सड़क निर्माण की मांग तेज

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। कुबहरा से कमालपुर बिचलिका माइनर तक कच्चे मार्ग के डामरीकरण की मांग को लेकर ग्राम सभा कुबहरा में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को भी जारी रहा। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले 19 अगस्त से शुरू हुआ आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा मंगलवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर धरना स्थल पहुंचे और किसानों की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अपने विधायक कार्यकाल में विधायक निधि से सड़क निर्माण का कार्य शुरू कराया गया था, लेकिन वन विभाग से एनओसी न मिलने के कारण काम अधूरा रह गया। इसके बाद से मामला लंबित पूर्व विधायक ने कहा कि वर्षों से ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग कर रहे जर्जर मार्ग के कारण किसानों, ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है तथा दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने शासन से शीघ्र सड़क का डामरीकरण कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा धरने में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर,

प्रदेश महासचिव दिनेश यादव, जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार, मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह, ग्राम प्रधान राम कुमार धीमान समेत बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौजूद रहे किसानों ने चेतावनी दी कि सड़क निर्माण की ठोस पहल होने तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

राजनन्दिनी ने अपनी टीम के साथ जीती नेशनल मूटकोर्ट प्रतियोगिता

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। वनस्थली विद्यापीठ में कानून की पढ़ायी कर रही लखनऊ की राजनन्दिनी तिवारी ने अपनी टीम की सदस्यों चार्वी शर्मा व विशाखा लक्ष्मी ने आयोजित की गयी प्रथम एसजीवीयू रांका नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया है।

वनस्थली की इस टीम ने कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी को पराजित कर यह सफलता हासिल की। इस उपलब्धि के लिये प्रथम पुस्कार के रूप में टीम को 21 हजार रुपए नगर, ट्राफी और प्रमाण दिया गया। जबकि दूसरे स्थान पर रही कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी की टीम को 11 हजार रुपए के साथ ट्राफी व प्रमाण पत्र दिया गया। इसी तरह बेस्ट मेंटर और रिसर्चर को पांच-पांच हजार रुपए पुरूस्कारस्वरूप प्रदान किये गये। इस प्रतियोगिता में देशभर की प्रमुख संस्थानों में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जीएमएलयू, सिम्बोसिस लॉ स्कूल पुणे, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ स्टडी एण्ड रिसर्च आदि की टीमों ने हिस्सा लिया। स्कूल ऑफ लॉ सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी जयपुर द्वारा आयोजित की गयी इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कानून की शिक्षा ले रहे छात्रों को एडवोकेसी डेवलपमेंट स्किल, लीगल रिसर्च एप्टीट्यूड, ड्राफ्टिंग, कोर्टरूम के एटीट्यूड के क्षेत्र में तैयार करना है।

स्कूल के विद्यार्थियों ने किया विधान भवन का शैक्षिक भ्रमण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। एसआरएस मेमोरियल किड्स गार्डन स्कूल, बिधूना (औरैया) के विद्यार्थियों के एक दल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट की तथा विधान भवन का शैक्षिक भ्रमण किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने के लिए ऐसे शैक्षिक भ्रमणों के महत्व पर प्रकाश डाला। विधान भवन भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा के सदन, विभिन्न महत्वपूर्ण कक्षों तथा परिसर की ऐतिहासिक एवं स्थापत्य विशेषताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्यप्रणाली, सदन में विधायी कार्यों के संचालन, प्रश्नकाल, विभिन्न संसदीय प्रक्रियाओं तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधानसभा की भूमिका के संबंध में विस्तार से बताया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारी से मजबूत होता है। विद्यार्थियों को संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं की जानकारी प्रारंभ से होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश के भविष्य के नागरिक और जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता हैं इसलिए उन्हें शिक्षा के साथ-साथ अपने अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी भी होनी चाहिए। इस दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष से विभिन्न विषयों पर जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे।

महंगी चीनी और एथेनॉल पर त्वरित निर्णय ले केंद्र सरकार: अजय राय

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। महंगी चीनी और इथेनॉल मिश्रित ईंधन पर त्वरित निर्णय लेने के संबंध में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री को प्रेषित पत्र में लिखा है कि विगत 07 जुलाई को आपको इथेनॉल मिश्रित ईंधन की नीति के वैज्ञानिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और उपभोक्ता हित संबंधी प्रश्नों पर विस्तृत पत्र भेजा गया था। उसमें ई20, ई85 और ई100 की नीति की स्वतंत्र समीक्षा उसके आर्थिक प्रभाव तथा उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की मांग की गई थी। साथ ही भारतीय उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में असफल रहने वाले कैबिनेट मंत्रीगण नितिन गडकरी एवं हरदीप सिंह पुरी को भी मंत्रिमण्डल से मुक्त करने का आग्रह किया गया था।

पत्र में आगे लिखा है कि हरदीप सिंह पुरी के मंत्रालय की इथेनॉल नीति का सबसे बड़ा तर्क यही रहा है कि इससे पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटेगी और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। सरकार के अपने आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण 19.24 प्रतिशत तक पहुंच चुका था और 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में नीति आगे बढ़ी लेकिन अब 20 अगस्त को सरकार को 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क मुक्त (ड्यूटी फ्री) आयात की अनुमति लगभग एक दशक में पहली बार देनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि चीनी और अन्य खाद्य पदार्थों के मूल्यों में बेतहाशा वृद्धि के लिए केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी अपनी किसी जिम्मेदारी का परिचय नहीं दिया है। दुर्भाग्य यह है कि वह अब शिक्षा मंत्रालय से संबंधित कार्य भी देखेंगे। उन्होंने कहा है कि सीधा सवाल है कि इथेनॉल नीति से पेट्रोलियम आयात पर विदेशी मुद्रा की बचत का दावा किया जाता है लेकिन यदि घरेलू चीनी की कमी के कारण चीनी का आयात करना पड़े तो उस पर भी विदेशी मुद्रा खर्च होगी इसलिए इथेनॉल, चीनी उत्पादन, घरेलू कीमतों और आयात इन सभी का वास्तविक लेख-जोखा जनता के सामने स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने अंत में लिखा है कि स्वयं भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने हाल में ई20 के साथ ई10 जैसे कम-मिश्रण वाले ईंधन को फिर से उपलब्ध कराने का सुझाव दिया है, ताकि पुराने वाहनों के मालिकों की चिंता कम हो सके।

अतः जब सरकार का एक वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार स्वयं उपभोक्ता को विकल्प देने की आवश्यकता बता रहा है, तो इस नीति की व्यापक समीक्षा भी होनी चाहिए। अजय राय ने कहा है कि उम्मीद है कि देश में त्योहारों और पर्वों की श्रृंखला शुरू होने वाली है ऐसे में अब इथेनॉल के साथ देश में चीनी के मूल्यों पर भी आपकी सरकार कोई ठोस निर्णय लेगी।

भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष का आज होगा भव्य स्वागत

पदाधिकारियों ने स्वागत की तैयारियों को लेकर की बैठक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य का प्रथम लखनऊ आगमन 26 अगस्त को हो रहा है, इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा उत्तर प्रदेश द्वारा दोपहर 01 बजे विश्वश्रैया सभागार (राजभवन के सामने) में राष्ट्रीय अध्यक्ष के भव्य स्वागत एवं अभिनंदन का कार्यक्रम रखा गया है। अमरपाल मौर्या का आगमन स्वर्ण शताब्दी एक्स्प्रेस से नई दिल्ली से लखनऊ चारबाग स्टेशन पर होना है। लखनऊ चारबाग से लेकर विश्वश्रैया प्रेक्षागृह तक रास्ते में जगह-जगह स्वागत अभिनंदन का कार्यक्रम पार्टी द्वारा रखा गया है।

अमरपाल मौर्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद वीवीआईपी गेस्ट हाउस जायेंगे इसके बाद विश्वरैया सभागार पहुंचेंगे, जहां उनका भव्य स्वागत अभिनंदन का कार्यक्रम रखा गया है। इस संदर्भ में कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान करने एवं कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिए मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में

पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल के नेतृत्व में एक तैयारी बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें प्रदेश के पदाधिकारियों, क्षेत्रीय पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्ष व जिले के पदाधिकारियों के साथ व्यवस्था में लगे कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में स्वागत कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं एवं जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। अमरपाल मौर्य के नई दिल्ली से लखनऊ तक आगमन के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कई रेलवे स्टेशनों पर स्वागत होते हुए लखनऊ रेलवे स्टेशन (छोटी लाइन) के साथ अन्य स्थानों पर होते हुए भाजपा प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ पर होगा।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा, उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा अमरपाल मौर्य के प्रथम लखनऊ आगमन को ऐतिहासिक एवं यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

बैठक में सभी पदाधिकारियों से आह्वान किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए स्वागत कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान करें। बैठक में मुख्य रूप से पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश प्रभारी संजय राय, त्रयम्बक त्रिपाठी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री संजय भाई पटेल, विनोद यादव, रामानन्द कटियार, साकेत सिंह 'सोनू', राहुल रस्तोगी, नीरज गुप्ता, विजय गुप्ता, प्रवीण कुशवाहा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एलडीए में अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में हुए बदलाव

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में प्रशासनिक स्तर पर अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह के कार्यमुक्त होने के बाद विहित प्राधिकारी के कार्यों में संशोधन किया गया है। इसके साथ ही प्राधिकरण के विभिन्न प्रवर्तन जोन में तैनात जोनल अधिकारियों के कार्यक्षेत्र भी पुनर्निर्धारित किए गए हैं। एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के नए आदेश के अनुसार ट्रांस गोमती क्षेत्र के विहित प्राधिकारी के रूप में अतुल कुमार, संयुक्त सचिव को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि सिस गोमती क्षेत्र के विहित प्राधिकारी विपिन शिवहरे, विहित प्राधिकारी होंगे। दोनों अधिकारियों के बीच लिंक अधिकारी की जिम्मेदारी भी निर्धारित की गई है। वहीं, प्रवर्तन से जुड़े पूर्व में पारित आदेश में संशोधन करते हुए प्राधिकरण के जोन-1 से जोन-7 तक के जोनल अधिकारियों और उनके लिंक अधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। आदेश के मुताबिक जोन-1 की जिम्मेदारी रवि नन्दन सिंह, विशेष कार्याधिकारी को दी गई है, जबकि उनके लिंक अधिकारी माधवेश कुमार, उप सचिव होंगे। जोन-2 में देवांशु त्रिवेदी, विशेष कार्याधिकारी को जोनल अधिकारी बनाया गया है और लिंक अधिकारी रवि नन्दन सिंह होंगे। जोन-3 में मान सिंह, प्रबन्धक, स्मारक समिति, सचिव, लखनऊ विकास प्राधिकरण को जिम्मेदारी दी गई है। इनके लिंक अधिकारी देवांशु त्रिवेदी होंगे। इसी तरह जोन-4 में अतुल कृष्ण सिंह, उप सचिव, जोन-5 व 6 में प्रभाकर सिंह, नजूल अधिकारी तथा जोन-7 में माधवेश कुमार, उप सचिव को जोनल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश में प्रत्येक जोन के लिए लिंक अधिकारियों का भी निर्धारण किया गया है। प्राधिकरण के इस फेरबदल का उद्देश्य प्रवर्तन संबंधी कार्यों में जिम्मेदारियां स्पष्ट करने और विभिन्न जोन में कार्यों के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करना माना जा रहा है।

अपयश मिलने के बाद भी जनसेवा करने वाला ही नेता

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि समाज सेवा का अवसर बड़े सौभाग्य से मिलता है। अपयश के बाद भी जनता की सेवा में निरंतर जुटे रहने वाला जनप्रतिनिधि ही वास्तव में सबसे बड़ा जनप्रतिनिधि होता है। उन्होंने कहा कि सामान्य नागरिक के लिए उसका जनप्रतिनिधि ही सबसे बड़ा सहारा होता है। लखनऊ के होटल सेंट्रम में मंगलवार को साइबर सुरक्षा : ए डिजिटल सिक्योरिटी ब्रीफिंग फॉर लेजिस्लेटर्स विषयक चौथी एवं अंतिम कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि समाज के लिए पूरे दिन मेहनत करता है लेकिन सोशल मीडिया पर दो -चार नेगेटिव कमेंट्स से वो हताश हो जाता है। इस बात का हमेशा ध्यान रखिए कि ऐसे नकारात्मक कमेंट्स से हताश होने की आवश्यकता नहीं है। आप जनता की सेवा करते रहिए। आपकी सेवा का मूल्यांकन जनता को करना होता है। अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल चुनाव तक सीमित नहीं होता, बल्कि जनता

के सुख-दुःख में उसके साथ खड़ा रहना और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास करना भी उसकी जिम्मेदारी है। जनसेवा के इस दायित्व को पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ निभाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र बेहद चुनौतीपूर्ण है और पिछले चार वर्षों में विधानसभा के सभी सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी निष्ठा से कार्य किया है।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि विधानसभा चुनाव निकट हैं, ऐसे में सभी सदस्यों को संयम और मर्यादा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। राजनीतिक जीवन में परिस्थितियां बदलती रहती हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि का जनता के प्रति दायित्व सदैव बना रहता है इसलिए सभी सदस्यों को लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय मयार्दाओं और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर साइबर विशेषज्ञ अमित दुबे ने साइबर अपराध, डेटा सुरक्षा, डिजिटल खतरों तथा उनसे बचाव के प्रभावी उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले जनप्रतिनिधियों को अपने मोबाइल फोन, डिजिटल उपकरणों तथा सोशल मीडिया खातों की सुरक्षा को लेकर विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। किसी भी उपकरण अथवा निजी जानकारी का दुरुपयोग किया जा सकता है, इसलिए जागरूकता और सावधानी अत्यंत आवश्यक है।

कार्यशाला का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को साइबर अपराध, डेटा सुरक्षा, डिजिटल खतरों तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान माननीय सदस्यों के साथ साइबर एवं डिजिटल सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में हुए विभिन्न नवाचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में तकनीक और साइबर सुरक्षा की जानकारी प्रत्येक जनप्रतिनिधि के लिए आवश्यक है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने विधायिका और इंटरनेट से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए तकनीक के दुरुपयोग को रोकने तथा डिजिटल व्यवस्था में आवश्यक सुधारों पर बल दिया। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने भी साइबर एवं डिजिटल सुरक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यशाला के दौरान डॉ. सुरभि, मंजू शिवाच, रवि शर्मा, डॉ. आरके वर्मा, मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, ओम प्रकाश सिंह, प्रतीक भूषण सहित अन्य विधायकों ने प्रश्न पूछे जिसका साइबर एक्सपर्ट अमित दुबे ने उत्तर देकर उन्हें संतुष्ट किया। कार्यक्रम के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा के अधिकारियों से कहा कि पूरे कार्यक्रम का विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाए। कार्यक्रम में राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, मनोहर लाल मन्नू कोरी, कृष्णा पासवान, कैलाश सिंह राजपूत एवं सुरेन्द्र दिलेर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे सहित विधानसभा के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सावन में पशुपतिनाथ मंदिर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सावन माह में छोटी देवरई स्थित पशुपतिनाथ मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। प्रतिदिन सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालु कतार में लगकर भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर जलाभिषेक और पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज रहा है।

सावन के चलते मंदिर में विशेष धार्मिक माहौल बना हुआ है। दूर-दराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। भक्त भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, फूल, दूध और जल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

मुख्य पुजारी नरेश चंद्र शास्त्री ने बताया कि सावन माह में भगवान शिव की पूजा और जलाभिषेक का विशेष महत्व है। इस दौरान

प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। भक्तों की आस्था को देखते हुए मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन की व्यवस्था सुचारु रखने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक दर्शन करने और मंदिर की व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। मंदिर में बढ़ती भीड़ के चलते श्रद्धालु सुबह से ही कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आ रहे हैं। सावन के सोमवार को भक्तों की संख्या और बढ़ जाती है। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति, आस्था और उत्साह का माहौल बना रहता है।

संक्षेप

बेटा समेत महिला हुई रफूचक्कर पति ने दी तहरीर

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के लुधौरा भगवंतनगर निवासी एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को 2 साल के बच्चे, नकदी और सोने-चांदी के जेवरात समेत भगा ले जाने के संबंध में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित सुरेश कुमार लोधी निवासी वार्ड नं. 0-5 लुधौरा, भगवंतनगर ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह काम पर गए हुए थे। दिनांक 30 जुलाई 2026 की दोपहर में उनकी पत्नी सुमन बिना बताए घर से कहीं चली गई। पीड़ित के कुल चार बच्चे हैं, जिनमें से पत्नी अपने साथ 2 साल के बेटे कार्तिक को ले गई, जबकि बाकी बच्चे घर पर ही छूट गए। शाम को जब सुरेश काम से वापस लौटे, तब उन्हें पत्नी के गायब होने की जानकारी हुई। सुरेश लोधी के अनुसार रायबरेली जिले के सरेनी थाना अंतर्गत लालपुर निवासी सूरज यादव उनकी पत्नी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पीड़ित का आरोप है कि जाते समय उनकी पत्नी घर में रखे सोने की माला, तोड़िया, सोने का लॉकेट, सोने की बाली, बच्चे के सोने के कंगन और करीब 50,000 रुपये नकद भी अपने साथ ले गई है। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

विद्युत करंट की चपेट में आकर दो लोग गंभीर रूप से झुलसे

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के मोहल्ला कस्बा टोला निवासी जीतबहादुर मंगलवार की सुबह घर में टीन शेड लगवा रहा था। तभी वह बगल में ही स्थित लोहे के विद्युत पोल में दौड़ रही तेज करंट की चपेट में आ गया और पोल से चिपक गया। यह देखकर पास में ही खड़ा पड़ोसी जयराम उसे बचाने लगा। इसपर जयराम भी करंट की चपेट में आ गया और दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन आनन-फानन दोनों को यहां की सीएचसी लाए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखकर झुलसे जीतबहादुर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जबकि इलाज के बाद खतरे से बाहर देखकर जयराम को घर भेज दिया गया।

सोते समय युवक को सांप ने काटा हुई मौत

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हरदी के मजरा बठुआ में मंगलवार तड़के एक दर्दनाक हादसा सामने आया। सोते समय जहरीले सांप के डसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ?प्राप्त जानकारी के अनुसार, बठुआ गांव निवासी रज्जन द्विवेदी मंगलवार की सुबह तकरीबन 3 बजे अपने घर में सो रहा था। इसी दौरान किसी जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सुबह अचानक हुई इस घटना से परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने आनन-फानन में स्थिति की गंभीरता को समझते हुए पीड़ित को तुरंत लखनऊ के किसी अस्पताल पहुँचाया। लेकिन, डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। रज्जन अपने पीछे पत्नी शन्नो देवी, बड़ा बेटा सत्यम, छोटा बेटा उत्तम व इकलौती बेटी दिव्या और बहु का रो रो कर बुरा हाल है।

खाद्य सामग्रियों में धड़ल्ले से होता है मिलावट का खेल, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन नकेल कसने में नाकाम

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। त्योहारों का सीजन शुरू होते ही बांगरमऊ क्षेत्र समेत पूरे उन्नाव जनपद में मिलावटखोरों का काला कारोबार तेजी से फलफूल रहा है। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी और अन्य आगामी त्योहारों के मद्देनजर बाजार में मांग अचानक बढ़ने का फायदा उठाकर मुनाफाखोर आम जनता की सेहत से सीधा खिलवाड़ कर रहे हैं। दूध, खोया और पनीर जैसी जरूरी खाद्य सामग्रियों में धड़ल्ले से खतरनाक केमिकल और सिंथेटिक सामग्री मिलाई जाती है।

? ?चिकित्सकों के अनुसार, मिलावटी दूध और खोए के सेवन से लोगों की सेहत पर बेहद बुरा असर पड़ रहा है। इन मिलावटी उत्पादों में यूरिया, डिटर्जेंट, स्टार्च, रिफाइंड ऑयल और यहां तक कि हानिकारक रंगों व केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। इनके सेवन से пाचन तंत्र पूरी तरह गड़बड़ा जाता है, जिससे उल्टी, दस्त और फूड पॉइजनिंग की शिकायत आम हो जाती है।

?लंबे समय तक ऐसे पदार्थों के सेवन से लिवर और किडनी को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है।

?बच्चों और बुजुर्गों की प्रतिरोधक क्षमता पर इसका सबसे घातक प्रभाव पड़ता है। ?त्योहारों के इस संवेदनशील समय में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की सक्रियता न के बराबर नजर आ रही है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं का आरोप है कि शुरूआती दौर में औपचारिकता के लिए इक्का-दुक्का जगहों पर छापे मारे जाते हैं, लेकिन बड़े पैमाने पर चल रहे इस अवैध कारोबार पर लगाम कसने में विभाग पूरी तरह विफल साबित हो रहा है।

कार्रवाई के अभाव और नाममात्र के चालान या नमूनों की लंबी जांच प्रक्रिया के चलते मिलावटखोरों और धुरंधर दलालों के हौसले पूरी तरह बुलंद हैं। इन्हें प्रशासन का कोई डर नहीं है, जिसका खामियाजा सीधे तौर पर त्योहारों पर मिठाइयां और दूध खरीदने वाले आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ता है। ?जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग से मांग की है कि ?त्योहारों के मद्देनजर शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों की डेयरी और मिष्ठान भंडारों पर औचक और कड़ी छापेमारी की जाए। ?मौके पर ही दूध और खोए की गुणवत्ता की त्वरित जांच के लिए मोबाइल टेस्टिंग यूनिट्स तैनात की जाएं। ?मिलावटखोरी में संलिप्त पाए जाने वाले दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। ?यदि समय रहते प्रशासन ने इस गंभीर समस्या पर कड़े कदम नहीं उठाए, तो मिलावटखोरों का यह खेल क्षेत्रवासियों की जिंदगी के लिए एक बड़ी आपदा बन सकता है।

गंगा नदी उफान पर विद्यालय परिसर हुआ जलमग्न

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर थाना क्षेत्र में गंगा नदी के उफान पर होने के कारण तटीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उच्च प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट धरमपुर में गंगा का पानी प्रवेश कर गया है, जिससे पूरा विद्यालय परिसर जलमग्न हो गया है।पानी के तेज बहाव और जलभराव के कारण गांव को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग भी पूरी तरह डूब चुका है। मार्ग पर कई फीट पानी भर जाने से ग्रामीणों और स्कूली बच्चों का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। विद्यालय के चारों ओर जलभराव होने से पठन-पाठन का कार्य प्रभावित हुआ है और सुरक्षा के लिहाज से बच्चों का स्कूल पहुंचना जोखिम भरा हो गया है। एसडीएम आनंद नायक ने मंगलवार को मंझा, धरमपुर आदि बाढ़ संभावित गाँवो का दौरा कर हकीकत जानी। साथ हीतहसील प्रशाशन ने गंगा तटीय क्षेत्र में बाढ़ चौकिया बनाई गई है। बाढ चौकियों में पानी, दवा, बिस्तर, खाद्यान्न आदि की ब्यवस्था की गई है। 21 निजी नौका सहित 2 अन्य नौका को अलर्ट मोड़ पर रखा गया है। बांधो से छोड़ा गया पानी व मानसून की आहट ने गंगा तटीय लोगो की धड़कने बढ़ा दी है। पिछले वर्ष दुलीखेड़ा संपर्क मार्ग,जयराजमऊ, पसनिया संपर्क मार्ग गंगा के बढ़े जलस्तर के कारण बह गए थे। गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण शिवराजपुर,दुली खेडा, धरमपुर, मिश्रन लाल खेडा, गैर मुस्तकम, चहलहा ,कटरी बक्सर, मलेपुर,दरियाबाद फतेहपुर संतनगर दूरहरु, पिपररासर गढेवा, गंगानगर, भदैया खेड़ा, आदि गाँव बाढ़ की संभावित गाँवो में शामिल है। इन गाँवो में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिये उपजिलाधिकारी बीघापुर आनंद नायक ने टीम गठित कर दी है जिसमे राजस्व निरीक्षक, लेखपाल आदि को लगाया गया है।

आठ बीघे में हो रही अवैध प्लाटिंग पर चला प्राधिकरण का बुलडोजर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज विकास प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और अवैध निर्माण के खिलाफ सचिव के नेतृत्व में फिर से ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। मंगलवार को सचिव/नगर मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह ने आटा-बांथर, कड़ेर, पतारी और आजाद मार्ग स्थित गंगा विहार कॉलोनी में बिना ले-आउट पास कराए करीब 8 बीघे में की जा रही अवैध प्लाटिंग को जेसीबी से ध्वस्त करा दिया। सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना मानचित्र स्वीकृत कराए किसी भी तरह के अवैध निर्माण और प्लाटिंग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा इसमें लिप्त माफियाओं को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जेई कमलदीप, प्राधिकरण की टीम और पुलिस की मौजूदगी में कराई गई।

रक्षाबंधन के अवसर पर स्वच्छता का अनोखा संदेश, विद्यालयों में हुए विशेष कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

गंजमुरादाबाद, उन्नाव। त्योहारों का उल्लास और सामाजिक जिम्मेदारी का अनूठा संगम गंजमुरादाबाद में देखने को मिला। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर नगर पंचायत द्वारा नगर के विभिन्न विद्यालयों में विशेष स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना था। नगर पंचायत अध्यक्ष रूबी व अधिशासी अधिकारी गुंजन गुप्ता के निर्देश पर चलाए गए इस जागरूकता अभियान का मुख्य नारा ₹इस रक्षाबंधन एक और बंधन निभाएं, बंधन स्वच्छता का₹ रहा। नगर पंचायत के कर्मचारी फजलुर्रहमान ने बच्चों को समझाया कि जैसे हम अपने भाई-बहन के रिश्ते और उसकी सलामती का संकल्प लेते हैं, वैसे ही अपने शहर को साफ-सुथरा रखने का संकल्प भी हमारा ही दायित्व है। विद्यालयों में बच्चों ने स्वच्छता की शपथ ली और अपने आस-पास के परिसरों को साफ रखने का प्रण किया। नगर पंचायत गंजमुरादाबाद के कर्मचारियो की देखरेख में आयोजित इन कार्यक्रमों में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। ?स्थानीय नागरिकों ने नगर पंचायत के इस अनूठे प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के अभियानों से नई पीढ़ी में बचपन से ही सामाजिक कर्तव्यों और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता पैदा होती है। इस मौके पर कार्यालय कर्मचारियो के साथ ही विद्यालय का भी स्टाफ मौजूद रहा।।

पीएचसी भगवंत नगर में 24 घंटे इमरजेंसी डॉक्टर की मांग

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। नगर पंचायत भगवंत नगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर वीरा मार्शल आर्मी संगठन ने उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेंद्र कसेरा ने पूर्व एमएलसी अरविंद त्रिपाठी उर्फ गुड्डू भैया के माध्यम से ज्ञापन भेजकर जनहित में आवश्यक व्यवस्थाएं कराने की मांग की। ज्ञापन में पीएचसी पर 24 घंटे इमरजेंसी डॉक्टर की व्यवस्था, प्रसव के लिए उचित चिकित्सा सुविधाएं तथा पर्याप्त ऑक्सीजन की व्यवस्था कराने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में मरीजों और गर्भवती महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। आपात स्थिति में समय पर उपचार मिल सके, इसके लिए पीएचसी पर चौबीसों घंटे चिकित्सक और जरूरी संसाधन उपलब्ध होना आवश्यक है।

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत, पति की मौत, पत्नी की हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में सोमवार की देर शाम गंगा एक्सप्रेस वे की सर्विस लेन पर दो बाइकों की आमने सामने भिंडत में पति-पत्नी गभींर रुप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए सफीपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने पति को मृत घोषित कर जबकि पत्नी को गभींर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया वहीं दूसरा बाइक चालक मौके पर गाड़ी छोड़ कर भाग निकला जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

थाना क्षेत्र के बाजीखेडा (टीकादास) गांव निवासी हरि का 45 वर्षीय बेटा बाबूलाल अपनी पत्नी निर्मला के साथ रविवार सफीपुर कोतवाली क्षेत्र में ससुराल गया था जहां से देर शाम पति पत्नी बाइक से गंगा एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड से लौट रहे थे तभी किलो मीटर सख्या 400,2 अम्बहरा गांव के पास सामने आ रहे दूसरे बाइक चालक ने सामने से टक्कर मार दी जिससे पति पत्नी दोनों सड़क पर गिर गए और गम्भीर रूप से घायल हो गए राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए सीएससी सफीपुर मे भर्ती कराया जहां डाक्टर ने बाबूलाल को मृतक घोषित कर दिया जबकि पत्नी को गभींर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां इलाज चल रहा है दुर्घटना के बाद दूसरा बाइक सवार बाइक छोड़ मौके से भाग निकला मृतक के तीन पुत्र मनोज, मनोहर, अनुज एक बेटी मंजू है इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि शव पीएम के लिए भेज दिया गया वहीं दूसरा बाइक चालक बाइक छोड़ निकल गया बाइक को कब्जे में ले लिया गया है और चेचिस नम्बर के आधार पर जानकारी की जा रही है।

गंगा नदी का जल स्तर बढ़ा पुल के ऊपर से बह रहा पानी

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। जलस्तर बढ़ने के कारण जमाल नगर गांव स्थित पुल के ऊपर से पानी बहने लगा है। पुल पर पानी आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि गंगा के जलस्तर में इसी तरह लगातार बढ़ोतरी होती रही तो आने वाले दिनों में बाढ़ विकराल रूप ले सकती है। ऐसी स्थिति में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को घरों से पलायन कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ सकता है।पानी बढ़ने से ग्रामीणों को आवागमन और दैनिक कार्यों को लेकर भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यक तैयारियां पूरी रखने की मांग की है।वहीं, उपजिलाधिकारी फाल्गुनी सिंह ने बताया कि गंगा के जलस्तर और बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन की टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। जलस्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए संबंधित राजस्व कर्मियों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बाबू भगवती चरण वर्मा जयंती समारोह की तैयारियों पर मंथन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। आदर्श नगर पंचायत कार्यालय में अर्चना परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी 30 अगस्त को साहित्यकार बाबू भगवती चरण वर्मा की 123 वीं जयंती के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अर्चना परिषद के संरक्षक / पूर्व प्रवक्ता दिवाकर द्विवेदी ने पदाधिकारियों से कार्यक्रम की रूपरेखा और तैयारियों पर विचार-विमर्श कर आयोजन की तैयारियां शुरू कराईं। अर्चना परिषद के अध्यक्ष सौरभ बाजपेई उर्फ राजा बेटा ने भी कार्यक्रम को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने को लेकर अपने सुझाव साझा किए। बैठक में आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

कार व कंटेनर में जोरदार भिंडत युवती समेत चार घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र के लखनऊ कानपुर हाईवे के वर्कशॉप मोड़ के पास सोमवार देर रात कंटेनर औद्योगिक एरिया से आ रहा था। जैसे ही वर्कशॉप मोड़ के पास उन्नाव की तरह मोड़ने लगा। तभी लखनऊ की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर कंटेनर के आगे हिस्से से टकराकर कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार लोगों में की चीखपुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को कार से निकलकर जिला अस्पताल के इमरजेंसी में भर्ती कराया। घायलों की पहचान आदित्य पुत्र ओमप्रकाश कानपुर नगर रुचिका पुत्री गंगा प्रसाद निवासी समालपुर जिला बलिया उड़ीसा, आदित्य सिंह पुत्र करन सिंह चौहान निवासी जे.के कॉलोनी कानपुर नगर अनुराग पुत्र राम किशोर निवासी लाल बंगला कानपुर नगर पंकनील लाल बंगला कानपुर नगर के रूप में पहचान। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे परिजनो नें सभी घायलों को कानपुर के निजी अस्पताल में इलाज के लिए लेकर चले गए। परिजनों ने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि ये लोग कहां से आ रहे थे। दरोगा राजेंद्र सिंह ने बताया कि सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से उनके परिजन निजी अस्पताल में लेकर चले गए हैं। कंटेनर को पकड़ लिया गया है। तहरीर मिलने पर अन्य विधि कार्रवाई की जाएगी।

बारिश के चलते एक्सप्रेसवे के साइड की मिट्टी बही

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। क्षेत्र के बाराती खेड़ा गांव के पास लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे के ऊपर का हिस्सा बारिश के पानी के कारण मिट्टी बहने से बैठ गया है। राहगीरों ने बताया कि एक हफ्ते पहले हुई बारिश से साइड की मिट्टी बह गई थी जिससे एक्सप्रेसवे की सड़क बेकार हो रही है और कभी भी वाहन से सड़क बैठ सकती है। जिम्मेदारो दारो ने अभी तक इसकी रिपेयरिंग नहीं कराई है। इसी के साथ लखनऊ से लेकर औरास तक सर्विस लाइन किनारे बड़े बड़े जानलेवा गड्ढे हो गए है। जिससे कार, बाइक सहित अन्य बड़े वाहन आए दिन फंस रहे है। यूपीआईडी एक्सियन राजेश तिवारी ने बताया कि निरीक्षण करके जल्द ही मरम्मत कराई जाएगी

नाले में पड़ा मिला वृद्ध का शव, ग्रामीणों में मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। थाना सोहरामऊ क्षेत्र के पथरहा और पटकापुर गांव के बीच मंगलवार सुबह नाले में एक 65 वर्षीय व्यक्ति का शव उतराता मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की जानकारी होते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही सोहरामऊ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान रामकिशन पुत्र स्व. सूखा के रूप में हुई है। मृतक के तीन बेटे सुरेश, शंकर और प्रेमू बताए गए हैं।

सोहरामऊ इंस्पेक्टर अरविन्द पांडेय भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी लेते हुए जांच शुरू की।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

महिला को सर्प ने काटा हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में मंगलवार की दोपहर हैदराबाद कस्बा के मोहल्ला आर्य नगर निवासी बाबू की पत्नी बिमला 40 घर के पीछे बनी कोठरी में मवेशियों के लिए भूसा निकाल रही थी इसी बीच उसे जहरीले सांप ने काट लिया चीख पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और महिला को गभींर हालत में मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टर ने उसकी हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बिना दस्तावेज के चल रहे निजी अस्पताल को किया गया सीज

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में बिना पंजीकरण संचालित हो रहे निजी अस्पतालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार को कस्बे में संचालित मा शारदा हॉस्पिटल बिना पंजीकरण चलता मिला। सूचना पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. नितिन ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और अस्पताल को सील करा दिया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. नितिन ने बताया कि जांच के दौरान अस्पताल का पंजीकरण नहीं मिला, जिसके चलते नियमानुसार सील करने की कार्रवाई की गई। इससे पहले शनिवार को भी हसनगंज में मौर्या जी हॉस्पिटल बिना पंजीकरण संचालित मिलने पर सील किया गया था। स्वास्थ्य विभाग की लगातार कार्रवाई से बिना पंजीकरण अस्पताल संचालकों में खलबली मची है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की ऐतिहासिक प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया। अब सवाल उठाए जा रहे हैं कि पीएम किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और क्या सच में देश की शांति को इनसे किसी किस्म का खतरा है? क्या मोदी सरकार इस शब्द के माध्यम से अपनी आलोचना करने वाले लोगों पर शिकंजा कसना चाहती है और अभिव्यक्ति की आजादी छीनना चाहती है? जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाक़ई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अब हर शब्द के लिए बुना जाता है जाल

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

नक्सलवाद क्या था? नक्सलबाड़ी कहां थी? इस 'शब्द' की शुरुआत कहां से हुई? ये चारू मजूमदार, कानू सन्याल आदि कौन थे, इन प्रश्नों के उत्तर शायद उनके पास भी नहीं, जो आज प्रधानमंत्री के स्वाधीनता-दिवस सम्बोधन को लेकर लम्बे-चौड़े बयान दागने में व्यस्त हैं। अब कुछ लोगों को स्वयं को 'दिमागी नक्सल' कहलाने में भी गर्व हो रहा है। हमारे देश में अब किन्हीं भी शब्दों को लेकर बहस-मुबाहसा एक 'राष्ट्रीय हॉबी' बन चला है। भारत के स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों ने इस हिंसक वामपंथी उग्रवाद की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है। आज, जब सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, लगातार चलाए गए अभियानों और विकास की पहुंच के कारण वह हिंसक और सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम प्रहर की ओर बढ़ रहा है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य उसी नए खतरे के प्रति देश को आगाह करने का एक प्रयास था, जो बंदूकों से नहीं बल्कि संवाद, विचारों, लेखनी और विमर्श के माध्यम से हमारे समाज के ताने-बाने को भीतर से भेदने का प्रयास कर रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर सत्ता के शीर्ष पर बैठे प्रधानमंत्री किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और इनका वास्तविक स्वरूप क्या है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। आज जब सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं।

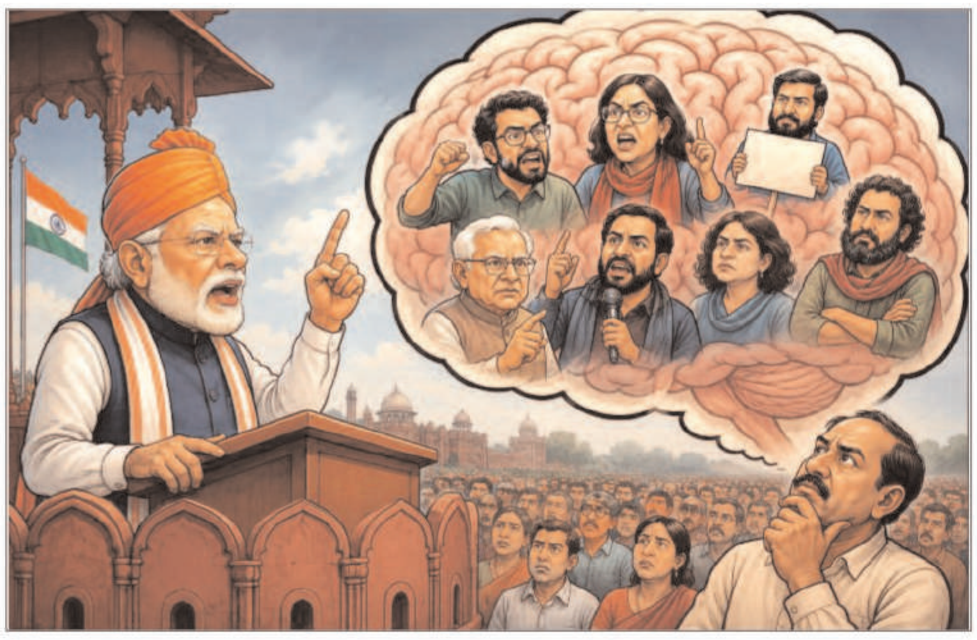

नकारात्मक 'नैरेटिव'

दिमागी नक्सल' को यदि इसके गहरे अर्थों में समझा जाए तो यह शब्द, जिन्हें अक्सर वैचारिक नक्सली या 'अर्बन नक्सल' भी कहा जाता है, वे लोग हैं जो कभी प्रत्यक्ष रूप से हाथों में हथियार नहीं उठाते। ये लोग जंगलों में छिपकर पुलिस से मुठभेड़ नहीं करते बल्कि ये हमारे समाज के सबसे सुरक्षित और प्रतिष्ठित हिस्सों में रहते हैं। ये अक्सर समाज के प्रबुद्ध वर्गों- जैसे विश्वविद्यालयों के परिसरों, मानवाधिकार संगठनों, साहित्य, कला और मीडिया के क्षेत्रों-में एक सम्मानित चोले के भीतर छिपे हो सकते हैं। इनका मुख्य हथियार इनकी लेखनी, इनका प्रभावशाली भाषण, इनका अकादमिक शोध और संवाद की वह आकर्षक शैली है, जिसके जरिए ये बहुत ही चतुराई से स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ एक निरंतर नकारात्मक 'नैरेटिव' या विमर्श तैयार करते हैं। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के दृष्टिकोण से देखें तो इन दिमागी नक्सलियों का मुख्य लक्ष्य देश की युवा पीढ़ी, विशेषकर छात्रों के भावुक मस्तिष्कों को अपना निशाना बनाना है जो दुनिया को बदलने का आदर्शवादी सपना देखते हैं। ये वैचारिक तत्व समाज की वास्तविक समस्याओं को सुलझाने के बजाय युवाओं के भीतर अपने ही देश, संस्कृति और अपनी ही लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति नफरत, आक्रोश और गहरे अविश्वास के बीज बोते हैं।

प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक

अब हम उस सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील सवाल पर आते हैं कि क्या सचमुच में देश की शांति, सुरक्षा और अखंडता को इन लोगों से किसी किस्म का कोई गंभीर खतरा है? इस प्रश्न को लेकर समाज में दो अलग-अलग और बेहद स्पष्ट दृष्टिकोण मौजूद हैं, जिन्हें समझे बिना इस विषय का पूरा सच नहीं जाना जा सकता। यदि हम राष्ट्रीय सुरक्षा और सरकार के नजरिए से इस खतरे का मूल्यांकन करें तो यह खतरा न केवल वास्तविक है, बल्कि किसी भी हथियारबंद विद्रोह से कहीं अधिक विनाशकारी है। किसी भी महान राष्ट्र की नींव केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं या सेना की ताकत पर नहीं टिकी होती बल्कि वह नींव उसके नागरिकों के आपसी प्रेम, सामंजस्य और अपनी न्याय व्यवस्था पर उनके अटूट विश्वास में निहित होती है। यदि कोई ऐसा संगठित और वैचारिक समूह निरंतर देश के विकास, उसकी सांस्कृतिक विरासत और उसकी लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ काम करता है तो वह बिना एक भी गोली चला, देश को भीतर से पूरी तरह खोखला कर सकता है। हमारे समाज में जाति, धर्म और भाषा की जो प्राकृतिक विविधताएं हैं, ये तत्व उन्हें खाई में बदलने का प्रयास करते हैं। युवाओं को गुमराह करके उन्हें अलगाववाद या अराजकता के अंधे कुएं में धकेलना किसी भी प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक साबित हो सकता है।

सरकार की नीतियों से असहमति

यह एक धीमा जहर है जो समाज की नसों में इस तरह घोला जाता है कि बीमार होने वाले को अपनी बीमारी का अहसास तक नहीं होता। जब विदेशी मंचों पर देश की छवि को जानबूझकर धूमिल किया जाता है, जब विकास की हर परियोजना को पर्यावरण या अधिकारों के नाम पर रोकने की साजिश रची जाती है, तो निश्चित रूप से यह देश की शांति और आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बहुत बड़ा और गंभीर खतरा बन जाता है। हालांकि, इस विमर्श का एक दूसरा और उतना ही महत्वपूर्ण तथा मानवीय पहलू भी है जो सीधे तौर पर हमारे जीवंत लोकतंत्र की सेहत और आम नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। आलोचकों, स्वतंत्र विचारकों, पत्रकारों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं की यह एक बहुत ही गहरी और वाजिब चिंता है कि 'दिमागी नक्सल' या 'अर्बन नक्सल' जैसे शब्दों की हमारे संविधान या दंड संहिता में कोई स्पष्ट कानूनी या अकादमिक परिभाषा मौजूद नहीं है। जब किसी अपराध या गतिविधि की कोई स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होती तो इस बात का डर हमेशा और बहुत मजबूती से बना रहता है कि कहीं इस भारी-भरकम शब्द का इस्तेमाल सत्ता द्वारा उन तमाम लोकतांत्रिक आवाजों को डराने, धमकाने या कुचलने के लिए न किया जाए, जो केवल व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं या सरकार की नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण जरूरी

एक स्वस्थ, परिपक्व और विकासशील लोकतंत्र में सरकार से कड़े सवाल पूछना, उसकी जनविरोधी नीतियों की तीखी आलोचना करना और कमजोर तथा शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए सड़क पर उतरकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना कोई अपराध नहीं है बल्कि यह एक जागरूक नागरिक का परम कर्तव्य है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए खड़े होने वाले हर व्यक्ति या विश्वविद्यालयों में बौद्धिक बहस करने वाले हर छात्र को संदेह की दृष्टि से देखना और उसे नक्सलवाद का चोला पहना देना स्वयं लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हो सकता है। यदि असहमति को राष्ट्रद्रोह मान लिया गया तो समाज की सोचने-समझने की शक्ति क्षीण हो जाएगी और एक डर का माहौल पैदा होगा, जो अंततः देश के मानसिक और बौद्धिक विकास को ही पूरी तरह से अवरुद्ध कर देगा। इस पूरे विमर्श को एक बेहद संतुलित, तार्किक और मानवीय नजरिए से देखने की आवश्यकता है। हमें उन विघटनकारी ताकतों, छद्म विचारकों और विदेशी इशारों पर काम करने वाले उन तत्वों को पहचानकर कानून के दायरे में रोकना नितांत आवश्यक है जो हमारे युवाओं के भविष्य और देश की शांति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हमें एक ऐसी न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण करना होगा, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर किसी निर्दोष या सवाल पूछने वाले नागरिक का उत्पीड़न न हो और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई भी हमारे राष्ट्र की शांति को आग न लगा सके। यही वह संतुलन है जो भारत को भविष्य में एक सशक्त, सुरक्षित और सही अर्थों में एक विचारशील राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगा।

चुनी हुई सरकार से सवाल करना नागरिक का अधिकार

बहस

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच सत्ता प्राप्ति की चाहत में निरंतर एक संघर्ष और विमर्श चलता रहता है और चलता भी रहना चाहिए। इसी से लोकतंत्र की सेहत दुरुस्त रहती है क्योंकि इसी संघर्ष से चुनावी वादे और नैरेटिव का जन्म होता है। लोकतंत्र में अगर विपक्ष निष्क्रिय हो जाएगा तो सत्ता को राजशाही में बदलने से कोई नहीं रोक सकता। इधर सत्ता में बैठी हुई पार्टी भी अपनी सत्ता को बनाए रखने की कोशिश में नारे और नैरेटिव का खेल खेलती है। इसी नैरेटिव को गढ़ने की कोशिश में नए शब्द गढ़े जाते हैं। शब्दों की इसी श्रृंखला में कई वर्ष पहले 'अर्बन नक्सल' एक शब्द आया था। अब इसी अर्बन नक्सल को और थोड़ा परिष्कृत करके प्रधानमंत्री के द्वारा लाल किले की प्राचीर से एक नया शब्द 'दिमागी नक्सल' का प्रयोग हुआ। शब्द के प्रयोग के बाद उसकी व्याख्या शुरू हुई, वाद-विवाद हुए, अर्थ-अनर्थ निकाले गए। इस तरह एक शब्द को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई।

विपक्ष के लोगों ने 'दिमागी नक्सल' शब्द को अपनी परिभाषा दी है, जो भी सत्ता से सवाल पूछेगा उसको 'दिमागी नक्सल' बोला जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था मत देने वाले हर व्यक्ति को यह अधिकार देती है कि वह अपनी चुनी हुई सरकार से सवाल करे। इन सवालों की प्रासंगिकता उस वक्त और बढ़ जाती है जब व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर परेशानियां निरंतर बढ़ने लगती हैं और उनके समाधान नहीं ढूंढे जाते हैं। देश में पिछले कई वर्षों से पेपर लीक एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। पेपर लीक के इन मामलों में कई रसूखदार लोग भी पकड़े गए, लेकिन समस्या खत्म होने के बजाए और बढ़ती गई। आखिर देश की युवा पीढ़ी का गुस्सा आग बनकर सड़कों पर उतरा जिसने हिंसा का रूप ले लिया। कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए जो नहीं होने चाहिए थे। सरकार में शीर्ष पदों पर बैठे हुए लोगों के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग हुआ जो नहीं होना चाहिए था। इसी संदर्भ में सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ से कुछ नए नैरेटिव गढ़े गए और नए शब्दों का भी प्रयोग हुआ, इसलिए सवाल भी दोनों तरफ उठते हैं। क्या सत्ता से सवाल पूछना अपराध है या सरकार के किसी कृत्य का विरोध करना गुनाह है या सवाल पूछने वालों को प्रभावहीन बताकर उनकी उपेक्षा करना उचित है। बहुत आवश्यक है कि लोकतंत्र में सागर की तरह हलचल होती रहनी चाहिए। दूसरी तरफ विपक्ष का भी यह धर्म है कि वह अपनी बंदूक समाज के किसी ऐसे वर्ग के कन्धों पर ना रखे, जो मासूम हो। जंतर-मंतर पर होने वाले छात्र आंदोलन के माध्यम से जो कुछ हुआ, वह विरोध कम संघर्ष अधिक था। शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए जिस तरह के अपशब्दों का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य समाज में जायज नहीं ठहराया जा सकता। शायद इसी को काउंटर करने के लिए प्रधानमंत्री को 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग करना पड़ा। 'अर्बन नक्सल' से दिमागी नक्सल तक की ये शाब्दिक यात्रा अनायास नहीं है। इसके पीछे भी बहुत सारे तर्क हैं। केवल जंतर-मंतर के आंदोलन से इसे जोड़ना ठीक नहीं होगा। भारत के बड़े भूभाग जिसमें बंगाल, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक नक्सलवाद का प्रभाव रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ तो नक्सलवाद के केंद्र के रूप में उभरा है। लेकिन गृह मंत्रालय और भारतीय सशस्त्र बलों के अथक प्रयास के पश्चात देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अब सरकार को चिंता इस बात की है कि इसी विचारधारा के शहरों में बैठे लोग कहीं फिर से युवाओं के मन में इस विचार का बीजारोपण न कर दें। इसी को लेकर सरकार की चिंताएं बहुत हद तक वाजिब भी हैं। यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के खिलाफ आगाह किया जा सके। सरकारों के प्रति या उसकी नीतियों के प्रति लोगों का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन एक सभ्य लोकतंत्र में विरोध के नाम पर किसी को भी हथियार उठाने या गाली देने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। अगर विरोध के नाम पर ये सब होता है तो निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। सत्ता और समाज के बीच जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो समाज के चौथे पिलर 'न्याय पालिका' की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। अपने हक के लिए संघर्ष करते लोगों पर किया जाने वाला बल प्रयोग अगर अनुचित है तो व्यवथा कायम करने वाले सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर चलाना, उन्हें गाली देना भी पूर्णतया बहिष्कार करने योग्य है। जब दोनों पक्ष अपने को सही ठहराने लगें तो न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इस पूरी बहस का निष्कर्ष यही है कि सरकार को समझना चाहिए कि सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं होता और विपक्ष को भी यह समझना चाहिए कि सरकार और देश के विरोध में खिंची हुई लक्ष्मण रेखा कभी अदृश्य न हो, न ही धुंधली पड़े। सरकारें आती हैं और चली जाती हैं, देश हमेशा रहता है। कोई सत्ता में हो या विपक्ष में देश का कानून और देश का सम्मान सर्वोपरि है। उसे किसी भी प्रकार की ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। सत्ता के लालच में कोई व्यक्ति या पार्टी अगर गलत कदम लेता है तो वह स्वीकार्य नहीं है। साथ ही सरकार को भी अपनी मर्यादा में समझनी चाहिए।

यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा, ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के खिलाफ आगाह किया जा सके।

चुप्पी को शब्द देने के लिए एक पत्र

विचार

डॉ. जवाहर सुरिसेट्टी

यह पत्र किसी राजनीतिक दल या विचारधारा के विरुद्ध नहीं, बल्कि एक पीढ़ी की चुप्पी को शब्द देने के लिए लिखा जा रहा है, उस पीढ़ी की चुप्पी, जो आपकी रैलियों में तालियां तो बजाती है, पर मन में सवाल लिए घर लौटती है।

भारत का जेन ज़ी- यह वह पीढ़ी है जिसने न विभाजन देखा, न आपातकाल। इसने देखा है इंटरनेट, वैश्विक अवसर, और अपने सपनों को साकार करने की बेचैनी। यह पीढ़ी न आपके शहरों के नाम बदलने से प्रभावित होती है, न वंदे मातरम पर छिड़ी बहसों से, न इतिहास की किस व्याख्या सही है इस विवाद से, न धर्म और जाति के नाम पर होने वाले टकरावों से। यह सब उन्हें दूर की, बासी और अप्रासंगिक बहसें लगती हैं, जबकि उनकी असली चिंताएं कुछ और हैं।

वे नौकरी मांगते हैं, आप उन्हें प्रतीक देते हैं।

वे पारदर्शिता मांगते हैं, आप उन्हें नारे देते हैं।

वे भरोसा मांगते हैं, और यहीं सबसे बड़ी दरार है।

आज का युवा राजनीति से डरता नहीं, बल्कि उससे थक चुका है। वह देख चुका है कि कैसे झूठे वादे किए जाते हैं, कैसे भ्रष्टाचार को सामान्य बना दिया जाता है, कैसे हर मुद्दे को धर्म या जाति के चश्मे से देखा जाता है ताकि असली सवाल पीछे छूट जाएं। वह चालाकी पहचानता है, भले ही वह उसे तुरंत चुनौती न दे।

यह पीढ़ी असहमति से नहीं डरती, पर पाखंड से चिढ़ती है। यह सीधी बात पसंद करती है, बिना घुमाव के, बिना झूठे आश्वासन के। जब कोई नेता ईमानदारी से कहता है मुझसे यह गलती हुई या यह अभी मुश्किल है, पर हम कोशिश कर रहे हैं, तो यह पीढ़ी उस पर भरोसा करने को तैयार रहती है। पर जब हर बात राजनीतिक चतुराई में लिपटी मिलती है, तो भरोसा टूटता चला जाता है।

यह पीढ़ी वैश्विक है, पर जड़ों से जुड़ी भी है। यह भारतीयता को गर्व से जीती है, पर संकीर्णता को नकारती है। यह प्रेम, समानता, स्थिरता, और एक शांतिपूर्ण भविष्य चाहती है। ऐसा भविष्य जहां धर्म और जाति पहचान का हिस्सा हों, हथियार नहीं। यह पीढ़ी बंटवारे की राजनीति से थक चुकी है और जुड़ाव की राजनीति की तलाश में है।

नेतागण, आप जिस देश का नेतृत्व कर रहे हैं, उसकी सबसे बड़ी पूंजी यही युवा शक्ति है। पर पूंजी तभी काम आती है जब उसे समझा जाए, उसका सम्मान किया जाए। प्रतीकों की राजनीति क्षणिक तालियाँ दिला सकती है, पर स्थायी भरोसा नहीं बना सकती। भरोसा बनता है ठोस काम से -शिक्षा में सुधार से, रोजगार के अवसरों से, भ्रष्टाचार पर वास्तविक कार्रवाई से, और सबसे बढ़कर- सच बोलने के साहस से।

यह पीढ़ी आपसे नाराज़ नहीं है, वह आपसे निराश है। और निराशा गुस्से से ज़्यादा खतरनाक होती है, क्योंकि गुस्सा तो आवाज़ बनता है, पर निराशा चुप्पी बन जाती है और वह चुप्पी एक दिन मतपेटी में बदल जाती है।

हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं। बहसों को छोड़िए जो अतीत में उलझी हैं, और उन मुद्दों को अपनाइए जो भविष्य गढ़ते हैं। नामों की राजनीति छोड़िए, कामों की राजनीति अपनाइए। विभाजन की भाषा छोड़िए, जोड़ने की भाषा बोलिए। युवाओं से संवाद कीजिए- भाषण देकर नहीं, सुनकर।

यह देश प्रेम और शांति चाहता है। यह देश एक ऐसा भारत चाहता है जहाँ हर नागरिक को अवसर मिले, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या क्षेत्र से हो। यह जेन ज़ी की माँग नहीं, यह संविधान की भी भावना है और यही वह भारत है जिसे बनाने का सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था।

समय आ गया है कि राजनीति प्रतीकों से आगे बढ़े, और सच्चाई, पारदर्शिता, और भरोसे की नींव पर खड़ी हो। यह देश की सबसे बड़ी पीढ़ी की आवाज़ है। इसे सुनिए, इससे पहले कि यह आवाज़ खामोश हो जाए।

यह पीढ़ी वैश्विक है, पर जड़ों से जुड़ी भी है। यह भारतीयता को गर्व से जीती है, पर संकीर्णता को नकारती है। यह प्रेम, समानता, स्थिरता, और एक शांतिपूर्ण भविष्य चाहती है। ऐसा भविष्य जहां धर्म और जाति पहचान का हिस्सा हों, हथियार नहीं। यह पीढ़ी बंटवारे की राजनीति से थक चुकी है और जुड़ाव की राजनीति की तलाश में है।

संवाद की खिड़की को खुला रखे सरकार

जेन-जी

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र की सबसे खुबसूरत बात यह है कि इसमें सोचने की और सवाल पूछने की आज़ादी होती है। लेकिन क्या हो जब ये सवाल सत्ता के कानों में चुभने लगें? क्या हो जब एक पूरी नई पीढ़ी, जिसे हम 'जेन-ज़ी' कहते हैं, पुरानी व्यवस्था से ऐसे सवाल पूछने लगे जिनके जवाब फाइलों और भाषणों में नहीं मिलते? आज के समय में ऐसे ही सवाल पूछने वाले युवाओं, विचारकों और आम नागरिकों को एक नया नाम दे दिया गया है, जिसे 'दिमागी नक्सल' कहा जा रहा है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाक़ई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज़ को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल या अर्बन नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। इसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जा रहा है जिनके हाथों में बंदूक नहीं, बल्कि किताबें, कीबोर्ड और स्मार्टफोन हैं।

ये वो लोग हैं जो पर्यावरण की बात करते हैं, जो रोजगार मांगते हैं, जो परीक्षा के पेपर लीक होने पर सड़क पर उतर आते हैं, या जो किसी अन्याय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज करते हैं। जब सत्ता इन तर्कों का जवाब तर्कों से नहीं दे पाती, तो वह एक आसान रास्ता चुनती है, ठप्पा लगाने का। किसी को दिमागी नक्सल कह देना दरअसल उसकी आवाज़ को, उसकी पीड़ा को और उसके सच को खारिज करने का एक बेहद चालाक तरीका है। जब आप किसी युवा को यह तमगा दे देते हैं, तो आपको उसके उठाए गए असली मुद्दों पर जवाब नहीं देना पड़ता और वह समाज की नजरों में एक खलनायक बन जाता है। जेन-ज़ी यानी वो पीढ़ी जिसका जन्म नब्बे के दशक के आखिरी सालों और दो हजार दस के बीच हुआ, वह इंटरनेट की गोद में बड़ी हुई है। पुरानी पीढ़ियों के आंदोलन करने के तरीके अलग थे। लेकिन जेन-ज़ी के आंदोलनों ने दुनिया भर की सरकारों को गहरे असमंजस में डाल दिया है।

इस पीढ़ी का कोई एक चेहरा नहीं है और इनका आंदोलन केंद्रीकृत नहीं है। एक छोटी सी घटना का वीडियो वायरल होता है और रातों-रात लाखों युवा मीम्स, रील्स और स्टोरीज के जरिए एक डिजिटल सैलाब ला देते हैं। सरकारें परेशान हैं क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इस पीढ़ी से कैसे लड़ा जाए। जेन-ज़ी के पास न खोने के लिए कोई बड़ा राजनीतिक करियर है और न ही वे पुरानी विचारधाराओं के बंधनों में बंधे हैं। वे बहुत साफ, सीधे और बेबाक सवाल पूछते हैं। व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। अंग्रेजों के बनाए हुए या नए कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है जो असहमत हैं। इंटरनेट सस्पेंड कर देना, सोशल मीडिया एकाउंट्स को ब्लॉक करवाना और पोस्ट को डिलीट करवाना आज के दौर की नई पुलिसिंग है। इस पूरी बहस को अगर हम राजनीति के चश्मे से हटाकर एक आम इंसान की नजर से देखें, तो तस्वीर बहुत भावुक कर देने वाली है। एक युवा जो दिन-रात पढ़ाई करता है, जिसका पिता कर्ज लेकर उसे शहर भेजता है, वह जब देखता है कि उसकी परीक्षा का पेपर बिक गया है, तो वह सड़क पर उतरता है। एक लड़की जो रात में सड़कों पर अपनी सुरक्षा की गारंटी मांग रही है, या वो व्यक्ति जो अपने जल, जंगल, जमीन को बचा रहा है, वे कोई दिमागी नक्सल नहीं हैं। जेन-ज़ी के पास बहुत ज्यादा अपेक्षाएं नहीं हैं। अगर सरकारें सचमुच देश का विकास चाहती हैं, तो उन्हें इन युवाओं से डरने या उन्हें कुचलने के बजाय, उनके सवालों के जवाब ढूंढने होंगे। उन्हें दिमागी नक्सल कहकर खारिज करने से समस्या हल नहीं होगी; बल्कि यह संवाद की उस खिड़की को हमेशा के लिए बंद कर देगा, जो एक बेहतर भविष्य के लिए बहुत जरूरी है।

व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है।

संक्षेप

पुलिस ने पांच वारंटियों को किया गिरफ्तार

वांछितों के खिलाफ लिया गया एक्शन, आगे भी होगी कार्रवाई

अमेठी, एसपी सरवणन टी. के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछितों और वारंटियों की धरपकड़ अभियान के तहत मुंशीगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक साथ पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें न्यायालय में पेश करने की तैयारी चल रही है। यह कार्रवाई क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा के नेतृत्व में बीती रात की गई। थाना मुंशीगंज पुलिस टीम ने विशेष अभियान के दौरान इन वारंटियों को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में आलोक कुमार उर्फ मुन्ना (पुत्र स्व. शिवशंकर द्विवेदी, निवासी हसरम दुबे मजर जूठीपुर), शम्भूनाथ (पुत्र राम सुमेर तिवारी, निवासी इकसारा), देवेंद्र सिंह (पुत्र ननकू सिंह, निवासी पीताम्बरपुर मजरे दुलापुर कला), शेर बहादुर सिंह (पुत्र शीतलाबक्श सिंह, निवासी सेवई हेमगढ़) और अनेश कुमार मिश्र (पुत्र रामराज मिश्र, निवासी चिलबिली) शामिल हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक आशीष कुमार वर्मा, कांस्टेबल फईम अली और कांस्टेबल मिथलेश यादव शामिल थे। मुंशीगंज पुलिस द्वारा सभी गिरफ्तार वारंटियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कबाड़ व्यवसायी की हत्या

नहर किनारे मिला शव, दो युवकों पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर शव जलाने का आरोप

अमेठी , संग्रामपुर थाना क्षेत्र के सोनारीकला गांव में शनिवार शाम एक कबाड़ व्यवसायी का शव नहर किनारे मिला। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए गांव के ही दो युवकों पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर शव जलाने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। मृतक की पहचान कबाड़ व्यवसायी अनुज कुमार सोनी के रूप में हुई है। उसका शव घर से करीब एक किलोमीटर दूर नहर किनारे पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही संग्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपियों से पूछताछ जारी पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने देर रात घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9 बजे गांव के छेदी हरिजन और सौरभ शुक्ला अनुज को घर से बुलाकर ले गए थे। शाम को उसका शव नहर किनारे मिला। मृतक की बहन की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही छेदी हरिजन और सौरभ शुक्ला के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आरोपियों से पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गांव में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

चेयरमैन-ईओ विवाद के बीच सभासद ने दिया इस्तीफा

कई और सभासदों के भी कदम उठाने की चर्चा

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। नगर पंचायत रूपईडीहा में विकास कार्यों और सफाई व्यवस्था को लेकर स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। चेयरमैन और अधिशासी अधिकारी के बीच कथित मतभेद के चलते नगर पंचायत के विकास कार्य प्रभावित होने का आरोप लग रहा है। हालात से क्षुब्ध वार्ड नंबर 12 के सभासद राजकुमार गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। वहीं, सूत्रों के अनुसार आधा दर्जन से अधिक अन्य सभासद भी इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। सभासद राजकुमार गुप्ता का आरोप है कि पिछले करीब एक वर्ष से नगर पंचायत में विकास कार्य लगभग ठप हैं। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत कार्यालय भी दो हिस्सों में बंटा हुआ है। चेयरमैन का कार्यालय अलग और अधिशासी अधिकारी का कार्यालय करीब दो किलोमीटर दूर होने से आम जनता को अपने काम के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नालियां बजबजा रही हैं, सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं और स्वीकृत होने के बावजूद कई सड़क निर्माण कार्य नहीं हो पा रहे हैं। कर्मचारियों पर भी मनमानी करने के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। सभासद के मुताबिक इस संबंध में सभासदों का प्रतिनिधिमंडल दो बार जिलाधिकारी से भी मिल चुका है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि जनता ने विकास की उम्मीद में जनप्रतिनिधियों को चुना था, लेकिन मौजूदा हालात में वे अपने वार्ड की जनता के प्रति जवाबदेही निभाने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं। इसी कारण उन्होंने इस्तीफा देने का निर्णय लिया है।

त्योहारों पर भी सफाई के लिए करनी पड़ती है सिफारिश

नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि त्योहारों के दौरान भी कस्बे की सफाई के लिए जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की जरूरत पड़ती है। हाल ही में 12 रबीउल अव्वल के अवसर पर कथित तौर पर तीन दिनों तक नगर में नियमित सफाई नहीं हुई और कई स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे रहे। बाद में जिलाधिकारी को मामले से अवगत कराए जाने के बाद मुख्य मार्गों पर सफाई कराई गई। सभासद का कहना है कि यदि नगर पंचायत की व्यवस्थाएं इसी तरह चलती रहीं तो जनता का विश्वास जनप्रतिनिधियों से उठना स्वाभाविक है। उन्होंने जिला प्रशासन से नगर पंचायत की स्थिति का संज्ञान लेकर विकास और सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने की मांग की है।

बरसात में कटा संपर्क मार्ग, ग्रामीणों व स्कूली बच्चों की बढ़ी मुश्किलें

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराईच। विकासखंड कैसरगंज के ग्राम सराय कनहर में डामर सड़क से प्राथमिक विद्यालय कोनिया जाने वाला संपर्क मार्ग बीती रात हुई तेज बरसात के बाद पूरी तरह कट गया। सड़क कट जाने से ग्रामीणों के साथ-साथ विद्यालय आने-जाने वाले बच्चों और शिक्षकों के सामने आवागमन की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के पानी के तेज बहाव के कारण संपर्क मार्ग का काफी हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर कट गया है। इससे पैदल चलने के साथ ही साइकिल व दोपहिया वाहनों से आवागमन भी मुश्किल हो गया है। विद्यालय जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ग्रामीणों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर मौके का निरीक्षण कराने और संपर्क मार्ग को जल्द से जल्द दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि ग्रामीणों तथा प्राथमिक विद्यालय कोनिया के बच्चों को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि संबंधित विभाग बरसात के बीच उत्पन्न हुई इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई करेगा।

गिरजापुरी बैराज के गेट बंद कर बचाई पांच हाथियों की जान

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र में स्थित गिरजापुरी गिरजा बैराज में मंगलवार को सुबह पांच हाथियों का झुंड तेज बहाव में बह रहा था इसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन किया और तत्काल डीएफओ को अवगत कराया। वन विभाग ने सिंचाई विभाग से संपर्क साधकर गिरजा बैराज के गेट को बंद करवाया तब जाकर पानी की स्थिरता हुई और हाथियों के झुंड को हांका लगाकर बैराज के किनारे किया गया जिससे आसानी से हाथी गिरजा बैराज से निकलकर हांथी बाहर पहुंचे मौके पर मौजूद वन कर्मियों ने उन्हें जंगल में सुरक्षित पहुंचा दिया। आपको बताते चले की हाथियों के झुंड में दो वयस्क हांथी तथा तीन छोटे बच्चे शामिल थे। हाथी तो पानी को चीरते हुए किनारे पहुंच जाते लेकिन 3 शावकों का जीवन संकट में फंसा हुआ था वन विभाग और सिंचाई विभाग की सूझबूझ

से हाथी व उसके शावकों की जान सुरक्षित बच सकी। डीएफओ अपूर्व दीक्षित ने बताया कि गिरजा बैराज में हाथियों के झुंड के बहने की सूचना मिली तत्काल मौके पर वन विभाग की टीम पहुंची सूझबूझ और सिंचाई विभाग के सहयोग से गिरजा बैराज के फाटकों को बंद कराकर हाथियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

राष्ट्रीय हिन्द समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने कुंवर दहौरा

राष्ट्रीय कार्यसमिति की आपात बैठक में सर्वसम्मति से हुआ चयन, समर्थकों ने जताई खुशी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। राष्ट्रीय हिन्द समाज पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति की एक आपातकालीन बैठक अखंड भारत स्वदेशी अभियान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर दहौरा के आवास त्रिभुवन आश्रम, त्रिभुवन दत्त पुरा, विधानसभा क्षेत्र पयागपुर में आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की टीम मौजूद रही। बैठक के दौरान आवश्यक कागजी कार्यवाही पूरी किए जाने के बाद सर्वसम्मति से कुंवर दहौरा को राष्ट्रीय हिन्द समाज पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया। इसके साथ ही उन्हें विधिवत पार्टी की सदस्यता भी प्रदान की गई। कुंवर दहौरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा होते ही समर्थकों और उपस्थित पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। बैठक में दिल्ली से पहुंचे पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय पदाधिकारी अरविन्द सिंह रावत, प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रीति राय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र मलिक को बैठक के दौरान एक रिश्तेदार के निधन की सूचना प्राप्त होने पर वह अचानक कैसरगंज से अपने गृह जनपद मेरठ के लिए रवाना हो गए। कुंवर दहौरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की खबर क्षेत्र में पहुंचते ही उनके समर्थकों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी है। समर्थकों ने उनके मनोनयन को बहराइच के लिए गौरव और सम्मान की बात बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद कुंवर दहौरा के समर्थकों ने इसे संगठन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय बताते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

पूंजीवाद-सांप्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष तेज करने का आह्वान

सीपीएम ने पूर्व महासचिव सीताराम येचुरी को जयंती पर किया याद

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर ,भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने दोपहर जिला कार्यालय में पार्टी के पूर्व महासचिव दिवंगत कॉमरेड सीताराम येचुरी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं ने पूंजीवाद और सांप्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष को और तेज करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सीपीएम के जिला सचिव राधेश्याम वर्मा ने सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे स्मृति कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा है। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं ने येचुरी के विचारों और उनके संघर्षों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। 'केक काटकर नहीं, संघर्ष तेज करके याद करते हैं' मीडिया से बातचीत में राधेश्याम वर्मा ने कहा कि बैठक का उद्देश्य कॉमरेड सीताराम येचुरी के विचारों और उनके द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि वामपंथी कार्यकर्ता अपने नेताओं को केवल औपचारिक कार्यक्रम या केक काटकर याद नहीं करते, बल्कि जनता से जुड़े मुद्दों और राजनीतिक-सामाजिक संघर्षों को तेज कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देते हैं।

पुलिस ने लूट के प्रयास में 2 अभियुक्त पकड़े

पिस्टल, कारतूस और 2 बाइक बरामद, एक बाल अपचारी भी हिरासत में

अमन लेखनी समाचार

अमेठ, अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जामो पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस ने लूट के प्रयास में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। इस मामले में एक बाल अपचारी को भी पुलिस निगरानी में लिया गया है। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में जामो थाना पुलिस ने देर रात करीब दो बजे इन अभियुक्तों को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान प्रान्जल शुक्ला (22 वर्ष), पुत्र आध्या प्रसाद, निवासी पूरे अयोध्या शुकुल, बीरीपुर, थाना जामो, और शान बाबू (18 वर्ष), पुत्र इंतजार, निवासी रामपुर, थाना जामो के रूप में हुई है। घटना में शामिल एक बाल अपचारी को भी नियमानुसार हिरासत में लिया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से 32 बोर की एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। इसके अतिरिक्त, घटना में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं। इनमें एक हीरो स्प्लेंडर प्लस और एक बिना नंबर प्लेट की हीरो एचएफ डीलक्स शामिल हैं। अभियुक्त इन मोटरसाइकिलों के वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने इस संबंध में धारा 312 बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) और 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। बरामद मोटरसाइकिलों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक हवलदार यादव, उपनिरीक्षक विराग कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक दिलीप कुमार और कांस्टेबल सौरभ सिंह शामिल रहे।

जिले में आज आयेंगे राज्यमंत्री नगर विकास राकेश राठौर

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। राज्यमंत्री, नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग, उ.प्र. सरकार राकेश कुमार राठौर (गुरू जी) का 26 अगस्त 2026 को जनपद आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। श्री राठौर 26 अगस्त 2026 को पूर्वान्ह 10:00 बजे लो.नि.वि. निरीक्षण भवन बहराइच पहुंचकर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं से भेंट वार्ता करेंगे। तदोपरान्त पूर्वान्ह 10:30 बजे कपूरथला परिसर स्थित उत्थान आडिटोरियम पहुंच कर रक्षाबन्धन के शुभ अवसर पर महिलाओं हेतु निःशुल्क बस यात्रा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। राज्यमंत्री अपरान्ह 12:10 बजे लो.नि.वि. निरीक्षण भवन वापस आकर कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों भे भेंट कर अपरान्ह 01:00 बजे सीतापुर के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। यह जानकारी प्रभारी अधिकारी वीआईपी/नगर मजिस्ट्रेट ने दी है।

जगतापुर गुलरिया में लगे पिंजरे में कैद हुआ नर तेंदुआ

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के रेंज मोतीपुर क्षेत्र में तेंदुआ प्रभावित गांव जगतापुर गुलरिया में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में सोमवार देर रात तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। बकरी के शिकार के लालच में पहुंचा तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। सूचना पाकर मौके पर वनकर्मियों के साथ पहुंचे प्रभारी वन क्षेत्राधिकारी केके सिंह, डिप्टी रेंजर सत्य प्रकाश वर्मा ने पिंजरे को अपने कब्जे में ले लिया। वही पिंजरे में तेंदुआ कैद होने की सूचना मिलते ही क्षेत्र के कई गांवों के लोगों की भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई वन विभाग को भीड़ नियंत्रित करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। तेंदुआ के पकड़े जाने के बाद वन विभाग ने राहत की सांस ली है वहीं ग्रामीणों ने बताया कि अपने दो शावको के साथ एक बाघिन भी वहां पर सक्रिय है जिसे अभी भी दहशत का माहौल है। डीएफओ अपूर्व दीक्षित ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ नर है उसकी उम्र लगभग 5 वर्ष है और वह पूर्णता स्वस्थ है उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद उसे प्राकृतिक वास में छोड़ा जाएगा। डीएफओ ने ग्रामीणों को सतर्क रहने को कहा है।

स्मार्ट मीटर फटने से 3 लोगों के झुलसने का मामला

12-14 साल से खंभों का इंतजार; बांस के सहारे घरों तक पहुंचाई जा रही बिजली

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर ,शहर की आवास विकास कॉलोनी से सटे मोहल्ले में स्मार्ट मीटर फटने से एक ही परिवार के तीन सदस्य झुलस गए। घटना के बाद डीएम इंद्रजीत सिंह के निर्देश पर बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता मौके पर जांच करने पहुंचे। अधिकारियों के पहुंचते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए और बिजली के खंभे नहीं होने की समस्या बताई। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे पिछले 12 से 14 वर्षों से बिजली के खंभों के अभाव में रह रहे हैं। दूर स्थित मुख्य लाइन से गीले और सूखे बांस-बल्लियों के सहारे लंबी केबल खींचकर घरों तक बिजली पहुंचाई जा रही है। लोगों का कहना है कि तारों की यह असुरक्षित व्यवस्था हादसे को न्योता दे रही है। खासकर बारिश के मौसम में करंट उतरने और शॉर्ट सर्किट का खतरा बना रहता है।

मीटर लगाए, लेकिन खंभे नहीं लगाए

निवासियों ने अधिकारियों को बताया कि घरों के बाहर स्मार्ट मीटर और सामान्य बिजली मीटर तो लगा दिए गए हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षित तरीके से जोड़ने के लिए खंभे और वायरिंग की व्यवस्था नहीं की गई। लोगों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग बिल वसूलने और बकाया होने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी देने के लिए तो टीमें भेजता है, लेकिन बिजली आपूर्ति का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने में गंभीरता नहीं दिखाई जा रही। एक हजार से ज्यादा आबादी, 10-15 खंभों की जरूरतस्थानीय लोगों के मुताबिक मोहल्ले में एक हजार से अधिक आबादी रहती है। यहां तत्काल 10 से 15 बिजली के खंभों की जरूरत है। महिलाओं और बुजुर्गों ने भी अधिकारियों को अपनी परेशानी बताई। उन्होंने कहा कि बांस के सहारे झूलते तारों के कारण बच्चों की सुरक्षा को लेकर हर समय डर बना रहता है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रतापगढ़ में ससुराल में दुपट्टे से फंदा लगाया; पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, कोतवाली नगर क्षेत्र के भोरई का पुरवा गांव दोपहर एक विवाहिता ने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान तारा देवी (26) पत्नी अजीत कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। तारा देवी ने ससुराल में दुपट्टे के सहारे फंदा लगाया था। घटना की जानकारी पुलिस को दोपहर करीब 12 बजे मिली। बताया गया है कि महिला की शादी लगभग पांच वर्ष पहले हुई थी। घटना के बाद महिला के पति ने उसे फंदे से नीचे उतारा और खाट पर लिटा दिया। कोतवाली नगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया मामले की परिस्थितियों की गहन जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी सूचना दी गई है। टीम के पहुंचने के बाद घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए जाएंगे। नगर कोतवाल सुभाष कुमार यादव ने बताया कि मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता की मौत

3 घंटे पहले बच्ची को दिया था जन्म, पति ने डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,जिला महिला अस्पताल में प्रसव के बाद एक प्रसूता की मौत हो गई। मृतका की पहचान अमेठी जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के अमरपुर निवासी मनीषा वर्मा (29) के रूप में हुई है। परिजनों ने डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ पर इलाज में लापरवाही बरतने और पैसे लेने का आरोप लगाया है। अस्पताल प्रशासन ने इस मामले में संबंधित डॉक्टर का बयान दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही है। मृतका के पति राकेश पटेल के अनुसार, वह सुबह करीब 11 बजे अपनी गर्भवती पत्नी मनीषा को लेकर जिला महिला अस्पताल पहुंचे थे। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद शाम करीब 5:30 बजे उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। इसके बाद शाम करीब 6:30 बजे सिजेरियन ऑपरेशन से एक बच्ची का जन्म हुआ। पति का आरोप है कि ऑपरेशन से पहले डॉक्टर ने पांच हजार रुपये मांगे थे, जिसमें उन्होंने 3,500 रुपये दिए। उन्होंने कुछ अस्पताल कर्मचारियों पर भी अलग से पैसे लेने का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया कि ऑपरेशन के बाद मनीषा को कमरे में शिफ्ट किया गया। कुछ समय तक उसकी हालत ठीक रही और उसने नवजात बच्ची को दूध भी पिलाया। रात करीब 9:30 बजे उसके पेट और पैरों में दर्द शुरू हो गया। पति का आरोप है कि उन्होंने कई बार अस्पताल के स्टाफ और नर्सों को मनीषा की तबीयत बिगड़ने की जानकारी दी, लेकिन समय पर गंभीरता से उपचार नहीं किया गया। इलाज में लापरवाही का आरोप राकेश के मुताबिक, जब मनीषा की हालत ज्यादा बिगड़ने लगी, तो डॉक्टरों ने उसे बचाने का प्रयास किया और करीब एक घंटे तक सीपीआर दिया। इसके बावजूद रात करीब 11 बजे डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

संक्षेप

खाद्य विभाग ने 455 किलो मावा,65 किलो पनीर नष्ट किया

रक्षाबंधन से पहले बागपत में मिलावट के खिलाफ कार्रवाई, 8 नमूने जांच के लिए भेजे

बागपत ,रक्षाबंधन पर्व से पहले मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। डीएम अस्मिता लाल के निर्देश पर शनिवार रात और रविवार को चलाए गए अभियान में टीम ने 455 किलो मावा और 65 किलो पनीर मौके पर ही नष्ट कराया।इस दौरान खाद्य पदार्थों के 8 विधिक नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं वाहन में अस्वच्छ हालत में मिला 410 किलो मावा खाद्य विभाग की टीम ने पिलाना के पास मेरठ से दिल्ली जा रहे एक आईसर वाहन को रोककर जांच की। वाहन में अस्वच्छ परिस्थितियों में मावा ले जाया जा रहा था। मिलावट की आशंका पर टीम ने मावा के पांच नमूने लिए। इसके बाद करीब 1.23 लाख रुपये कीमत का 410 किलो मावा मौके पर ही नष्ट करा दिया गया।मावा भट्टी पर भी कार्रवाई टीम ने ग्राम मुजफ्फरनगर पोइस स्थित एक मावा भट्टी पर भी छापेमारी की। यहां अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार किया जा रहा 45 किलो मावा मिला, जिसकी कीमत करीब 13,500 रुपये बताई गई।टीम ने इसे नष्ट करा दिया और एक नमूना जांच के लिए लिया। 65 किलो पनीर भी कराया नष्टबड़ौत क्षेत्र में हरियाणा फ्रेश पनीर भंडार के गोदाम से क्रीम का नमूना लिया गया।वहीं गुराना रोड स्थित एक अन्य गोदाम से पनीर का नमूना लेने के साथ 65 किलो पनीर नष्ट कराया गया। इसकी अनुमानित कीमत करीब 18,200 रुपये बताई गई है। जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई खाद्य विभाग ने अभियान के दौरान लिए गए सभी 8 विधिक नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया है।अधिकारियों के अनुसार जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।कार्रवाई सहायक आयुक्त खाद्य डीपी सिंह के निर्देशन में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों यज्ञ दत्त आर्य व निधि रानी की टीम ने की।

बालैनी पुलिस ने महिला श्रद्धालु का हैंडबैग बरामद किया

पुरा महादेव मंदिर से गुम हुआ बैग लौटाया

बागपत ,बालैनी थाना क्षेत्र स्थित पुरा महादेव मंदिर में एक महिला श्रद्धालु का गुम हुआ हैंडबैग पुलिस ने बरामद कर उन्हें लौटा दिया।हैंडबैग में महिला का निजी सामान और एक आईफोन था। महिला श्रद्धालु अपने परिवार के साथ पुरा महादेव मंदिर में दर्शन करने आई थीं। मंदिर परिसर में दर्शन के दौरान उनका हैंडबैग गुम हो गया। काफी तलाश के बाद भी जब बैग नहीं मिला, तो उन्होंने बालैनी पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही बालैनी थाना पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस टीम ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में गहनता से खोजबीन शुरू की।पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच संभावित स्थानों पर बैग की तलाश की। बालैनी पुलिस के प्रयासों से महिला श्रद्धालु का गुम हुआ हैंडबैग बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बैग के अंदर रखे निजी सामान और आईफोन सहित सभी वस्तुओं को सुरक्षित पाया।पहचान और आवश्यक पुष्टि के बाद पुलिस ने महिला श्रद्धालु को उनका हैंडबैग सकुशल सौंप दिया।

विकासखंड स्तर में आयोजित हुआ नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम

बिंदकी विधायक ने विद्यालयों को गोद लेने के लिए जनप्रतिनिधियों से की अपील

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे अंतर्गत एक गेस्ट हाउस में नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार शुक्ला की अगुवाई में आयोजित हुए ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे तथा संचालन उमेश त्रिवेदी द्वारा किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बिंदकी विधायक जयकुमार सिंह जैकी विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख सुशीला सिंह का खंड शिक्षा अधिकारी ने औषधीय पौधे भेंट करते हुए आभार व्यक्त किया वहीं मौजूदा अधिकारी तथा शिक्षकों ने सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया मुख्य अतिथि बिंदकी विधायक जयकुमार सिंह जैकी ब्लॉक प्रमुख सुशीला सिंह तथा खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण शुक्ल ने दीप प्रज्वलन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम अंतर्गत मुख्य अतिथि में सरकार द्वारा संचालित अनेकों योजनाओं की विस्तृत जानकारी आम जनमानस को दी ब्लॉक प्रमुख सुशीला सिंह तथा खंड विकास अधिकारी समेत खंड शिक्षा अधिकारी ने भी सरकार की उपलब्धि तथा शिक्षा नीतियों पर विशेष चर्चा की वही मुख्य अतिथि जयकुमार सिंह जैकी ने शिक्षा को बढ़ावा देते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य हेतु जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से विद्यालयों को गोद लेने अर्थात विद्यालयों का हिस्सा बनने के लिए अपील की शिक्षा क्षेत्र के बेंहटा खुर्द विद्यालय में पहुंचकर मुख्य अतिथियों ने रक्षाबंधन त्योहार के चलते विद्यालय में वृक्षाबंधन कार्यक्रम संपन्न किया मुख्य अतिथियों ने विद्यालय पहुंचकर विद्यालय में रोपित किए गए वृक्षों में रक्षा सूत्र बांधा तथा उसके संरक्षण के लिए सभी लोगों ने संकल्प लिया ब्लॉक स्तरीय समारोह अंतर्गत मुख्य अतिथियों के साथ कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर के प्रधानाध्यापक शैलेंद्र सचान तारापुर की प्रधानाध्यापिका मनीषा शुक्ला बाबूपुर के प्रधानाध्यापक सर्वेश अवस्थी प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक महामंत्री दयाराम गौतम समेत सभी विद्यालयों के शिक्षक व प्रधानाचार्य मौजूद रहे

सहकारी समितियों को संचालित करने के लिए हुई चर्चा

जहानाबाद विधानसभा अंतर्गत अमौली ब्लाक मुख्यालय में सभी अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए बिंदकी विधायक जयकुमार सिंह जैकी ने सभी सहकारी समितियां को नियमित रूप से संचालित करने के विषय में विशेष चर्चा की जहां किसानों के मुद्दे को लेकर बिंदकी विधायक ने जल्द से जल्द सभी सोसाइटी को शुरू कराने के लिए आश्वासन दिया

एक वृक्ष सौ पुत्र समान-वैष्णो कीर्ति शुक्ला

पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय में आयोजित हुआ वृक्षाबंधन कार्यक्रम

बच्चों द्वारा निर्मित मनमोहक राखियों ने जीता दिल

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर ,जनपद की जिलाधिकारी निधी गुप्ता वत्स द्वारा जनपद में एक नई पहल का शुभारंभ किया गया जिलाधिकारी ने रक्षाबंधन से पहले वृक्षाबंधन कार्यक्रम अभियान का शुभारंभ किया जिसके तहत जनपद के मलवा विकासखंड अंतर्गत पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर में प्रधानाध्यापिका वैष्णो कीर्ति शुक्ला की अगुवाई में विद्यालय परिसर में वृक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिभावक संघ अध्यक्ष मिथिलेश द्वारा की गई कार्यक्रम अंतर्गत बच्चों ने अपने नन्हे मुन्ने हाथों से निर्मित की गई राखियों का स्टाल लगाकर प्रदर्शन किया जिसे देख विद्यालय के सभी शिक्षक तथा अभिभावक आदि मंत्र मुग्ध हो गए विद्यालय परिसर में प्रधानाध्यापिका वैष्णो कीर्ति शुक्ला एसएमसी अध्यक्ष मिथिलेश तथा सहायक अध्यापक रविंद्र कुमार के साथ बच्चों ने विद्यालय परिसर में रोपित किए गए वृक्षों में राखी बांधकर उनकी देखभाल करना तथा नए वृक्षों को लगाने का संकल्प लिया प्रधानाध्यापिका द्वारा बच्चों को वृक्ष लगाने के महत्वपूर्ण फायदे शुद्ध पर्यावरण शुद्ध वायु आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई प्रधानाध्यापिका ने बच्चों तथा अभिभावकों को बताया कि हम सभी को स्वस्थ रहने के लिए वृक्ष लगाना अति आवश्यक है एक वृक्ष सौ पुत्रों के समान होता है जिसकी शुद्ध ऑक्सीजन ग्रहण कर आम जनमानस के अनगिनत लोगों को जीवन दान मिलता है इसलिए जिस प्रकार हम सभी रक्षाबंधन पर्व में अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं ठीक उसी प्रकार वृक्षों को भी सुरक्षित रखने का संकल्प लेकर एक वृक्ष हर व्यक्ति को अवश्य लगाना चाहिए प्रधानाध्यापिका ने सभी बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए पुरस्कृत किया वही अभिभावकों समेत शिक्षकों तथा अभिभावक संघ अध्यक्ष ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभी बच्चों के सराहनीय कार्य का स्वागत किया

महिला ने पति समेत पारिवारिक जनों के ऊपर दहेज उत्पीड़न का किया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के जाफरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव प्रतापपुर निवासिनी पीड़िता महिला स्मिता देवी पत्नी अमित उर्फ संजय कुमार ने पति तथा ससुराली जनों से पीड़ित होकर नजदीकी थाना जाफरगंज में प्रार्थना पत्र देते हुए दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया पीड़िता ने बताया कि उसका विवाह विगत लगभग 4 वर्ष पहले 30 जनवरी 2026 को हिंदू रीति रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ था पीड़िता के पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान दहेज भी उपहार स्वरूप भेंट किया परंतु विवाह के कुछ दिन बाद ही पति तथा ससुराली जन दहेज के लोभ में आकर पीड़िता को पीड़ित करने लगे अधिकतर पति अमित उर्फ संजय कुमार तथा घर में निवास कर रही सास शिवदेवी देवर धनंजय देवरानी सपना चचेरे ससुर रामदास आदि सभी लोगों ने कई बार पीड़ित महिला स्मिता देवी के साथ मारपीट की निरंतर मारपीट तथा दहेज की मांग करना प्रारंभ कर दिया जबकि विवाह के समय पीड़िता के पिता ने 325000 रुपए उपहार स्वरूप दहेज में दिया था इसके बाद भी अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए ससुराली जनों ने महिला को पीड़ित किया पीड़ित महिला ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए बताया कि उसके पिता के पास जो भी धन था उसने अपने समर्थ के अनुसार दिया यही जानकारी पति तथा परिजनों को पीड़िता ने बताई जहां सुनकर पीड़िता के साथ सभी लोगों ने जमकर मारपीट की और उसके आभूषण तथा पैसे छीन कर महिला को घर से निकाल दिया थाना प्रभारी जाफरगंज ने महिला की तहरीर के आधार पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ की

डेढ़ सौ साल पुराना मकान गिरा

बाल-बाल बचे चार परिवार, गली में फैला मलबा; पड़ोसी परिवार दहशत में

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सदर ढोलकी मोहल्ले में सुबह करीब 10:30 बजे करीब 150 साल पुराने तीन मंजिला मकान का अगला हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे आ गिरा।हादसे के समय मकान में चार परिवार मौजूद थे।तेज आवाज के साथ मलबा गिरते ही सभी लोग आनन-फानन में बाहर निकल आए। गनीमत रही कि मकान के सामने उस समय कोई राहगीर या आसपास का व्यक्ति मौजूद नहीं था। इससे बड़ा हादसा टल गया। मकान का मलबा संकरी गली में फैल गया, जिससे रास्ता पूरी तरह बाधित हो गया।वहीं भवन का कुछ हिस्सा अब भी खतरनाक तरीके से हवा में लटका हुआ है। इससे आसपास के लोगों में दहशत है और दोबारा हिस्सा गिरने की आशंका बनी हुई है।

80 साल से इसी मकान में रह रही हैं कलावती

स्थानीय लोगों के मुताबिक, धर्मपुरी के ढोलकी मोहल्ले में स्थित यह मकान करीब 150 साल पुराना है। कलावती करीब 80 साल से यहां रह रही हैं। उन्होंने मकान के कुछ हिस्से किराये पर भी दे रखे हैं। वर्ष 1982 से राजू अपने परिवार के साथ यहां रह रहे हैं। इसके अलावा विनीत, सोनू और अशोक भी अपने परिवारों के साथ इसी मकान में रहते हैं। तीन मंजिला मकान में करीब 14 कमरे बताए गए हैं। परिवार के लोगों के मुताबिक, शनिवार तड़के करीब चार बजे बारिश हुई थी। बारिश के बाद मकान के अगले हिस्से का एक पिलर गिर गया था। सुबह परिवार के लोगों ने किसी तरह पिलर और उससे जुड़ा मलबा हटाया था। उस समय किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ घंटे बाद ही मकान का बड़ा हिस्सा गिर सकता है तेज आवाज सुनकर घरों से बाहर निकले लोग सुबह करीब 10:30 बजे अचानक मकान के अगले हिस्से में तेज आवाज हुई। देखते ही देखते काफी बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया। मलबा गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के घरों में रहने वाले लोग भी घबराकर बाहर निकल आए। कुछ ही देर में मोहल्ले के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। हादसे के समय मकान में रहने वाले चारों परिवार अंदर मौजूद थे। अचानक हिस्सा गिरने से घर में चीख-पुकार मच गई। सभी लोग किसी तरह बाहर निकले और अपनी जान बचाई। मकान में रहने वाले विनीत ने बताया कि रविवार होने के कारण सभी परिवार घर पर थे। स्कूली बच्चों की भी छुट्टी थी, इसलिए वे भी घर के अंदर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अगर हादसा किसी सामान्य कार्यदिवस में हुआ होता तो स्थिति बेहद भयावह हो सकती थी।

नोएडा जा रहे बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने रौंदा एक की मौत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मौहार गांव के निकट प्रयागराज कानपुर मुख्य मार्ग हाईवे में विगत दिवस सोमवार देर शाम एक अज्ञात वाहन ने प्रयागराज की ओर से आ रही बाइक में भीषण टक्कर मार दी टक्कर खाकर बाइक में सवार दो युवक नितिन तथा विपिन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए आनंद फानन राहगीरो की मदद से घायलों को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोपालगंज भेजा गया जहां हालत गंभीर देखते हुए नितिन को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज फतेहपुर रेफर किया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई यह सूचना जैसे ही परिजनों को मिली तो घर में कोहराम मच गया वहीं मौके पर पहुंचे मृतक के पिता ओमप्रकाश ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराते हुए न्यायकी गुहार लगाई मौके पर पहुंची पुलिस प्रशासन ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा जानकारी लेने पर पिता ने बताया कि नितिन तथा उसका दोस्त विपिन दोनों मोटरसाइकिल से नोएडा जा रहे थे दोनों युवक नोएडा शहर में प्राइवेट नौकरी करते थे प्रयागराज कानपुर हाईवे में चल रहे थे तभी एक अनियंत्रित अज्ञात चार पहिया वाहन ने सामने से आकर भीषण टक्कर मार दी टक्कर मार कर चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया अज्ञात वाहन के खिलाफ नजदीकी थाना कल्याणपुर में मुकदमा दर्ज कर प्रशासन अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गया

त्योहारों को लेकर पुलिस कमिश्नर की मीटिंग

बारावफात पर गोकशी हुई तो थानेदार सस्पेंड, बाजारों में पैदल गश्त करें अधिकारी

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,आगामी त्योहारों को देखते हुए गाजियाबाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने रक्षाबंधन और बारावफात समेत आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बैठक में एडिशनल पुलिस कमिश्नर केशव कुमार चौधरी, एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजकरन नैयर, डीसीपी धवल जायसवाल, डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी समेत यातायात विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बाजारों और संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त

पुलिस कमिश्नर ने सभी एसीपी और थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर पैदल गश्त करने के निर्देश दिए। धार्मिक स्थलों, प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और महत्वपूर्ण चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने को कहा गया। बारावफात के मद्देनजर गोकशी की घटनाओं की रोकथाम के लिए नामजद और प्रकाश में आए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। बाजारों में फुट पेट्रोलिंग और नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने के साथ संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की प्रभावी चेकिंग करने को कहा गया। पुलिस अधिकारियों को सभी समुदायों के गणमान्य लोगों और पीस कमेटी के सदस्यों के साथ संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए, ताकि त्योहारों के दौरान आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द कायम रहे। जुलूस के रूट पहले से चेक करने के निर्देशएडिशनल पुलिस कमिश्नर राजकरन नैयर ने कहा कि त्योहारों के दौरान निकलने वाले जुलूस, शोभायात्रा और धार्मिक आयोजनों को लेकर आयोजकों से पहले ही बातचीत की जाए। आयोजनों के रूट का निरीक्षण कर पुलिस ड्यूटी निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। लापरवाही मिलने पर संबंधित थाना प्रभारी की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। बिना अनुमति के किसी भी कार्यक्रम के आयोजन पर रोक रहेगी।ट्रैफिक व्यवस्था के लिए रूट डायवर्जन और पार्किंग की तैयारी यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए प्रमुख बाजारों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पर्याप्त यातायात पुलिस की तैनाती के निर्देश दिए गए।

किसान नेता बोले- एसएसपी के खिलाफ पत्नी-बच्चों संग आंदोलन करूंगा

मेरठ में 'चोली के पीछे क्या है' गाने पर नचाकर पीटा, सपा एमएलए बोले- गुंडों जैसी सजा हो

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, 'चोली के पीछे क्या है...' गाने पर मुझे नचाया। मेरठ एसएसपी अविनाश पांडेय और इंस्पेक्टर ने अपने चैंबर में गालियां दीं। मारा-पीटा और अपने बूट से वार किए। मुझे अंदरूनी चोटें आईं और एक आंख भी सूज गई। पांच दिन बाद भी पुलिसवालों पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। पिटाई के सुबूत खत्म हो रहे हैं। अगर मेरा मुकदमा 2 दिन में नहीं लिखा गया तो मैं पत्नी, बच्चों के साथ आंदोलन करूंगा। दिग्विजय बोले- मेरी मेडिकल जांच तक नहीं कराई गई भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) के अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय भाटी ने कहा- घटना 19 अगस्त की है। अब तक मेरा मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। पुलिस ने अब तक मेरी लिखित शिकायत भी नहीं ली। मेरी मेडिकल जांच भी नहीं कराई गई। मैं घटना के बाद से लगातार परेशान हूं। मैं पिटाई के बाद से नहाया नहीं हूं। दिग्विजय भाटी ने मामले की एसएसपी से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा- जांच की निगरानी किसी पूर्व जज से कराई जाए, ताकि जांच निष्पक्ष तरीके से हो सके। हमें डर है कि कहीं जांच को पुलिस विभाग के अफसर ही प्रभावित न कर दें। मुझे जांच के लिए सहारनपुर के सामने बुलाया गया था।मुझसे पूछा गया कि क्या पिटाई करने वालों की पहचान कर सकते हैं, लेकिन मेरे सामने किसी को पहचान के लिए पेश नहीं किया गया। शनिवार को मुझे एडीजी ऑफिस में बयान के लिए बुलाया गया था, जहां करीब दो घंटे इंतजार के बाद भी एडीजी से मुलाकात नहीं हो सकी।

सपा विधायक बोले- पुलिसवालों को लाइनहाजिर करना सजा नहीं

सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान ने कहा- जिन लोगों ने कानून तोड़ा है, उनके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मैंने मेरठ के नए ररढ को पूरे मामले की जानकारी दी है। जांच के आधार पर आगे कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। लेकिन, मेरी मांग है कि जांच निष्पक्ष हो। मामले की कई बातें सार्वजनिक हो चुकी हैं। अब सही तथ्यों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी केवल कुछ पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया गया है जिसे मैं सजा नहीं मानता। पुलिस अधिकारियों से कहा है कि मामले को धर्म और जाति के नजरिए से न देखा जाए, बल्कि निष्पक्ष न्याय किया जाए।कार्रवाई नहीं हुई तो थानों पर प्रर्शन करेंगेअतुल प्रधान ने कहा- अगर मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई नहीं हुई

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की बनाई थी फर्जी वेबसाइट

बेरोजगारों से करता था ठगी, आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,एविएशन कंपनियों में नौकरी और प्रशिक्षण संस्थानों में दाखिले का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह के एक वांछित आरोपी को साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।पुलिस ने आरोपी शुक्रवार को डॉक्टर अजय पुत्र धर्मपाल सिंह को गाजियाबाद से पकड़ा है।इससे पहले इसी गिरोह के पांच आरोपियों को आठ जुलाई को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।गिरोह सेक्टर-22 स्थित लंबोदर इंस्टीट्यूट के नाम से फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर रहा था। आरोपी प्रतिष्ठित एविएशन कंपनियों और प्रशिक्षण संस्थानों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर अभ्यर्थियों से ऑनलाइन इंटरव्यू, पंजीकरण, एडमिशन, ट्रेनिंग, मेडिकल, यूनिफॉर्म, सिक्योरिटी डिपॉजिट और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर अलग-अलग चरणों में रकम वसूलते थे।फर्जी वेबसाइट बनाकर करते ठगीगिरोह के सदस्य खुद को एयरलाइंस और एविएशन संस्थानों का प्रतिनिधि बताकर फर्जी ऑफर लेटर, एडमिशन कन्फर्मेशन, प्रमाण-पत्र और अन्य दस्तावेज भेजते थे।

पिता की हत्या में आरोपी बेटे को जमानत

कोर्ट ने माना पुलिस की थ्योरी शक और इकबालिया बयान पर टिकी, गौतमबुद्ध नगर का मामला

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज,इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिता की हत्या के आरोप में जेल में बंद बेटे को जमानत दे दी।कोर्ट ने कहा कि पुलिस की पूरी कहानी फिलहाल शक, तथाकथित इकबालिया बयान और एक लोहे की पिन की बरामदगी पर आधारित है।इन साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया आरोपी को हत्या का दोषी मानने का पर्याप्त आधार नहीं है।यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की पीठ ने गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) के एक्सप्रेस-वे थाने में दर्ज हत्या के मामले में दिया।शुरूआत में अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज हुई थी ऋकफ मामले में मृतक के पिता ने शुरूआत में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।पुलिस ने जांच के दौरान मृतक के बेटे सतेन्द्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा था कि पिता-पुत्र के संबंध अच्छे नहीं थे और इसी आधार पर बेटे पर शक किया गया। आरोपी के खिलाफ इठर की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया गया था। सतेन्द्र 6 मार्च 2026 से जेल में बंद है। पुलिस के पास क्या सबूत थे? आरोपी की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ मिश्रा ने कोर्ट में दलील दी कि पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है।हत्या से जोड़ने के लिए पुलिस के पास कोई प्रत्यक्ष या ठोस सबूत नहीं है। बचाव पक्ष के मुताबिक पुलिस की कहानी मुख्य रूप से दो तथ्यों पर टिकी है। पहला, पुलिस हिरासत में आरोपी के कथित इकबालिया बयान पर और दूसरा, उसकी निशानदेही पर बरामद बताई गई लोहे की पिन पर, जिसे हत्या में इस्तेमाल हथियार बताया गया है।

गौतमबुद्धनगर में 13 दिन लागू रहेगी धारा 163

बिना अनुमति जुलूस-सभा पर रोक, शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए फैसला

अमन लेखनी समाचार

गौतमबुद्धनगर ,आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर दी गई है। यह आदेश 23 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा।इस दौरान बिना अनुमति जुलूस, प्रदर्शन, सभा या भीड़ जुटाने पर रोक रहेगी। पुलिस-प्रशासन ने आगामी त्योहारों के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया है। रक्षाबंधन और जन्माष्टमी को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर भी नियम धारा 163 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी आयोजन के लिए संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से पूर्व अनुमति लेना जरूरी होगा।बिना अनुमति किसी तरह का जुलूस, प्रदर्शन, सभा या सामूहिक आयोजन नहीं किया जा सकेगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर भी निर्धारित नियमों का पालन करना होगा।पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धारा 163 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने जिले के लोगों से सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की है।

गरौठा में पीस कमेटी की बैठक हुई आयोजित

आगामी त्यौहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने की अपील

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। आगामी त्योहारों रक्षाबंधन, जन्माष्टमी और ईद मिलाद-उल-नवी (बारावफात) को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मंगलवार को कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रावेंद्र मिश्रा ने की। इस बैठक में ग्राम प्रधानों, मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरुओं, नगर के गणमान्य नागरिकों और पत्रकारों ने हिस्सा लिया। प्रभारी निरीक्षक रावेंद्र मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों से त्योहारों को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समस्या या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करें।उन्होंने स्पष्ट किया कि अराजकता फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने का भी आग्रह किया।बैठक में ग्राम प्रधान देवेंद्र सिंह केदारताई, नरेंद्र त्रिपाठी वीरपुरा, अनुज द्विवेदी नागर, प्रवेंद्र सिंह चौहान ढिपकई, संजय राजा निपान, नरेश कुमार चतुर ताई सहित द्दग सिंह पटेल, डॉ. ओम प्रकाश दौदेरिया, सतीशचंद अग्रवाल, मुन्नालाल उपाध्याय, सुनील तिवारी, मुहम्मद रफीक खान, शब्बीर अहमद, हरिश्चंद्र आर्य, प्रियवर्धन चतुर्वेदी, प्रवीण कुमार, इमाम बक्स, आसिफ पठान, जावेद खान सहित बड़ी संख्या में नगरवासी और पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

दो दिन के दरमियान जनपद में दिखा मौत का कहर, परिवार में दुखों का पहाड़

अमन लेखनी समाचार

रायबरेली।जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई मौत का सिलसिला बढ़ता जा रहा है ताजा मामला नसीराबाद थाना क्षेत्र के मट्टन नाला नदी अशरफपुर पुल का सामने आया है नहाते समय एक युवक की गायब होने की बात सामने आई है बताया जाता है कि नगर पंचायत नसीराबाद कस्बा निवासी आरिब पुत्र मुन्ना अन्सारी उम्र 15 वर्ष वार्ड नम्बर सात कुरैश नगर उपरोक्त नदी मे दोपहर के समय दोस्तों के साथ नहा रहा था कि अचानक गायब हो गया आशंका जताई जा रही है कि तेज पानी बहाव के बीच बहता पानी के साथ शायद युवक गायब हो गया और उसी दौरान उसकी मौत हो गई परिजन और ग्रामीणो द्वारा देर शाम तक खोजबीन की गई लेकिन देर शाम तक शव कहीं सुराख नहीं चल सका परिजनों का रोल रो कर बुरा हाल रहा मां सुरैया भाई रियाज 22 वर्ष नियाज 20 वर्ष तारिब 18 वर्ष कमर जहां 30 अफरोज 26 फिरदौस 24 वर्ष सात भाई बहन मे सबसे छोटा आरिब था वहीं मौत की बात करें तो दो दिन के दरमियान प्रतापगढ़ के निवासी सांगीपुर थाना क्षेत्र ग्राम परानीपुर प्रदीप पटेल पुत्र बैजनाथ मोटरसाइकिल से परशदेपुर मटियारा चौराहे से अपने गांव जा रहे थे

सावन के अंतिम सोमवार को कांवड़ियों ने किया अचलेश्वर महादेव का जलाभिषेक

चोपन में नर सेवा नारायण सेवा ने फल व शरबत वितरित कर किया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

चोपन। सावन के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर डाला क्षेत्र के कांवड़ियों ने चोपन स्थित सोन नदी से पवित्र जल भरकर पैदल कांवड़ यात्रा की और डाला स्थित अचलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। कांवड़ियों के जत्थे के डाला से चोपन पहुंचने और वापस अचलेश्वर महादेव मंदिर जाने के दौरान पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल बना रहा। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। कांवड़ियों ने सोन नदी से विधि-विधान के साथ जल ग्रहण किया और कांवड़ लेकर अचलेश्वर महादेव मंदिर के लिए रवाना हुए। रास्ते में श्रद्धालुओं ने कांवड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनका स्वागत किया। बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने कांवड़ियों की सेवा में सहयोग किया। इसी क्रम में चोपन में नर सेवा नारायण सेवा की ओर से कांवड़ियों के लिए विशेष सेवा शिविर लगाया गया।यहां संस्था के सदस्यों द्वारा कांवड़ियों का स्वागत करते हुए उन्हें फल और शरबत वितरित किया गया। लंबी पैदल यात्रा के बीच फल व शरबत पाकर कांवड़ियों ने राहत महसूस की तथा सेवा कार्य के लिए संस्था के सदस्यों का आभार जताया। सेवा शिविर में मौजूद लोगों ने कहा कि सावन के पवित्र माह में कांवड़ियों की सेवा करना भगवान शिव की सेवा के समान है। नर सेवा नारायण सेवा के संयोजक मनोज चौबे ने बताया कि संस्था की ओर से धार्मिक पर्वों और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा के लिए लगातार समाज के सहयोग से विभिन्न व्यवस्थाएं की जाती हैं आज के शर्बत वितरण मे ट्रक मोटर्स यूनियन के अध्यक्ष कमल किशोर सिंह एवं फल वितरण मे दया शंकर सिंह,जितेंद्र मिश्रा, विकास दूबे, सुभाष अग्रवाल, सत्यदेव पाण्डेय का सहयोग रहो अचलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचने के बाद कांवड़ियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। सावन के अंतिम सोमवार को लेकर डाला और चोपन क्षेत्र में दिनभर शिवभक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर रामनरेश चोधरी,महादेव सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार, अनूप गुप्ता, अरविन्द कुमार विकास कुमार, शमशेर अली आदि मौजूद रहें

खास समाचार

उत्कृष्ट कार्य हेतु संरक्षा पुरस्कार प्रदान किया गया

अमन लेखनी समाचार

धनबाद। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में संरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गयो इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा मंडल के 61 कर्मचारियों को अप्रैल 2026 एवं मई 2026 माह में उनके द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्य के लिए संरक्षा पुरस्कार प्रदान किया गयो इन सभी कर्मचारियों ने धनबाद मंडल के विभिन्न खण्डों में रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल तथा अन्य संरक्षा संबंधी कार्यों का पता लगाया, जिससे रेल परिचालन में आने वाली समस्याओं, दुर्घटनाओं असामान्यताओं को टला गयो इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

थाना कार्यालयों पर प्रतिदिन की भांति जनसुनवाई का आयोजन, विधिक एवं समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर

महराजगंज जनपद में पुलिस अधीक्षक महराजगंज, शक्ति मोहन अवस्थी के कुशल निर्देशन में सुरक्षा और जनसेवा के संकल्प को सुदृढ़ करते हुए जनपद के समस्त थानों पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य थानों पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित की समस्या को पूरी संवेदनशीलता से सुनना और महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली व सक्रिय बनाना रहा पुलिस अधीक्षक के निदेशों का अक्षरशः पालन करते हुए सभी थाना प्रभारियों द्वारा प्रतिदिन की भांति थाना कार्यालयों पर आए शिकायतकताओं की समस्याओं को बेहद गंभीरतापूर्वक सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त मामलों का मौके पर ही परीक्षण कर, उनका यथाशीघ्र, विधिक, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण कराया गया

संस्कार भारती की योजना बैठक में संस्कृति संरक्षण और संगठन विस्तार का संकल्प

कजरी की विलुप्त होती परंपरा को पुनर्जीवित करने का लिया संकल्प, नए पदाधिकारियों की हुई घोषणा

अमन लेखनी समाचार

मिजार्पुर। भारतीय कला, संस्कृति और लोक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प के साथ संस्कार भारती, मिजार्पुर इकाई की वार्षिक योजना बैठक गणेशगंज स्थित होटल सिद्धार्थ में संपन्न हुई। बैठक में काशी प्रांत की उपाध्यक्ष एवं मिजार्पुर इकाई की प्रभारी विदुषी सुचरिता गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. गणेश प्रसाद अवस्थी ने उपस्थित होकर संगठन के कार्यों को नई दिशा देने का मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कार भारती की अध्यक्ष पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव, जिला महामंत्री शिवराम शर्मा, मिजार्पुर प्रभारी विदुषी सुचरिता गुप्ता एवं विशेष अतिथि डॉ. गणेश प्रसाद अवस्थी ने माँ विंध्यवासिनी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके पश्चात संस्कार भारती गीत की सुमधुर प्रस्तुति से वातावरण राष्ट्र एवं संस्कृति की भावनाओं से ओतप्रोत हो उठा।

विद्यालयों की समस्याएं लंबित न रहें, विभागीय समन्वय से समयबद्ध समाधान कराएं- जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की बैठक में शिक्षा व्यवस्था एवं विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की।

खंड शिक्षा अधिकारी शिक्षकों से रखें नियमित संवाद, विद्यालय स्तर की समस्याओं पर हो त्वरित कार्यवाही।

डीएमएफ फंड से कराए जा रहे कार्यों का होगा सत्यापन, गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश।

विद्युतीकरण से वंचित विद्यालयों में प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाए विद्युत सुविधा।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति एवं जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित योजनाओं, विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं कराए जा रहे विकास कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय स्तर पर आने वाली समस्याओं की समय से पहचान और उनका विभागीय समन्वय से समाधान बेहद जरूरी है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी विद्यालय में मूलभूत सुविधा अथवा अन्य किसी प्रकार की समस्या सामने आती है तो संबंधित शिक्षक उसे अपने स्तर तक सीमित न रखें। तत्काल अपने उच्चाधिकारी के संज्ञान में लाएं, ताकि समयबद्ध कार्यवाही करते हुए समस्या का समाधान कराया जा सके। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र के शिक्षकों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखें और विद्यालयों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी लेकर उनके समाधान की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों एवं शिक्षकों के सुरक्षित और सुगम आवागमन के लिए विद्यालय तक बेहतर पहुंच मार्ग का होना आवश्यक है। इस दिशा में संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

डीएमएफ फंड के कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष नजर

जिलाधिकारी ने डीएमएफ फंड से विद्यालयों में कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इन कार्यों का स्थलीय सत्यापन कराने और उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराया जाए।

कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए 25.28 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत मा0 मुख्यमंत्री जी ने दी स्वीकृति

निर्माण के लिए धनराशि की मंजुरी मिलने पर जनपद वासियों में खुशी की लहर।

जामपानी में 25.28 करोड़ से बनेगा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय।

12 से 15 एकड़ में विकसित होगा आधुनिक शैक्षिक परिसर।

प्री–प्राइमरी से कक्षा 12 तक की होगी पढ़ाई।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद के दुद्धी तहसील क्षेत्र के ग्राम जामपानी में बच्चों को आधुनिक और समेकित शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए 25.28 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री द्वारा मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत करने पर जनपदवासियों ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत बनने वाले मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय आधुनिक और समेकित शैक्षिक परिसर के रूप में तैयार किया जाएगा। सरकार की परिकल्पना के अनुसार इस विद्यालय में प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा एक ही परिसर में उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय को लगभग 12 से 15 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित किया जाएगा। विद्यालय में लगभग 1500 विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय बच्चों के उज्जवल भविष्य का आधार बनेगा।

कंपोजिट विद्यालय में आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं होंगी उपलब्ध

जिलाधिकारी ने बताया कि कंपोजिट विद्यालय को आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं से युक्त संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों को एक ही परिसर में शैक्षणिक, शारीरिक, कौशल एवं सह- पाठ्यचर्या संबंधी विकास का बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। बताते चलें कि जामपानी में इस स्तर का विद्यालय स्थापित होना एससी एसटी बाहुल्य दुद्धी क्षेत्र के ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सोनभद्र में आरटीई के तहत 1730 वंचित बच्चों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

योगी सरकार में पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया से बढ़ी पहुंच।

निजी विद्यालयों को प्रतिपूर्ति के रूप में 7.50 करोड़ रुपये का भुगतान कर रही सरकार।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार की पहल का सोनभद्र में सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत जिले में वर्तमान में 1730 वंचित बच्चों को निजी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिल रहा है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार ने आरटीई के तहत पात्र बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया को पारदर्शी और ऑनलाइन बनाया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए अच्छे निजी विद्यालयों में शिक्षा हासिल करने के अवसर तेजी से बढ़े और वर्तमान में 1730 वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन और लॉटरी की पारदर्शी व्यवस्था ने पात्र बच्चों को बिना किसी भेदभाव के शिक्षा का अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार की इस व्यवस्था से उन परिवारों को सबसे अधिक राहत मिली है, जो आर्थिक कारणों से अपने बच्चों को बेहतर निजी विद्यालयों में पढ़ाने में सक्षम नहीं थे। आरटीई के माध्यम से ऐसे बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का अवसर मिलने से उनके भविष्य को नई दिशा मिल रही है जिलाधिकारी ने बताया कि वंचित बच्चों की शिक्षा का खर्च सरकार स्वयं वहन कर रही है। इसके तहत सोनभद्र में निजी विद्यालयों को आरटीई के अंतर्गत पढ़ रहे बच्चों की फीस की प्रतिपूर्ति के रूप में हर साल करीब 7.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है। इससे जहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, वहीं निजी विद्यालयों को भी सरकार की ओर से निर्धारित प्रतिपूर्ति प्राप्त हो रही है। योगी सरकार की इस पहल को सामाजिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित तीन अभियुक्तों पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने घोषित किया 20-20 हजार का पुरस्कार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0-420/2025 धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा प्रत्येक अभियुक्त पर 20,000/- (बीस हजार रुपये) का पुरस्कार घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध थाना चोपन जनपद सोनभद्र पर गैंगस्टर एक्ट का अभियोग पंजीकृत है तथा तीनों अभियुक्त उक्त मुकदमे में वांछित चल रहे हैं। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला उत्पीड़न से जुड़े प्रकरणों की राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं सदस्य ने की जनसुनवाई

महिला कल्याण एवं जनहितकारी योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा, पात्र महिलाओं व बालिकाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर।

विंध्य कन्या पीजी कॉलेज पहुंचीं आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी एवं सदस्य गीता विश्वकर्मा, छात्राओं से किया संवाद।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी एवं सदस्य श्रीमती गीता विश्वकर्मा ने सर्किट हाउस सभागार में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की जनसुनवाई की तथा जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। जनसुनवाई के दौरान उपाध्यक्ष ने महिलाओं से संबंधित प्राप्त शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने पुलिस विभाग एवं संबंधित अधिकारियों से कहा कि महिला उत्पीड़न से जुड़े प्रकरणों का त्वरित, संवेदनशील एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें आवश्यक सहायता समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए। बैठक में महिला कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, महिला हेल्पलाइन-181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी पहुंचे और उन्हें समय से लाभ प्राप्त हो सके। उपाध्यक्ष एवं सदस्य ने समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, ओडीओपी योजना, आश्रम पद्धति विद्यालयों में प्रवेश एवं उपलब्ध सुविधाओं, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की भी समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों से इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उपाध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र महिला तक पहुंचना चाहिए। महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला जनसुनवाई कार्यक्रमों को प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने जनपद में महिला अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। इसके उपरांत राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी एवं सदस्य श्रीमती गीता विश्वकर्मा ने उरमौरा स्थित विंध्य कन्या पीजी कॉलेज का भ्रमण किया। महाविद्यालय पहुंचने पर कॉलेज प्रशासन एवं शिक्षिकाओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। दोनों पदाधिकारियों ने छात्राओं से संवाद करते हुए उनकी शिक्षा, सुरक्षा, अधिकारों, आत्मनिर्भरता एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में निडर होकर संबंधित अधिकारियों एवं उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा सम्मान की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरूक।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया।इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा

1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

181-महिला हेल्पलाइन

1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन

1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

मीरजापुर में 64 लाख की हेरोइन के साथ तीन अंतरजनपदीय तस्कर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर.अहरौरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए तीन अंतरजनपदीय हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 334 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 64 लाख रुपये है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलीम (21) निवासी राजगढ़, मीरजापुर, लक्की सोनकर (21) निवासी बभनौली, सोनभद्र और इद्दू आमीन अहमद (21) निवासी नई बस्ती, राबर्टसगंज, सोनभद्र के रूप में हुई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल (वढ 63 अ 7371) भी बरामद कर ली है, जिसे एमवी एक्ट की धारा 207 के तहत सीज किया गया। मामले में थाना अहरौरा में मु0अ0सं0 172/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।पुलिस के मुताबिक, तीनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों को नियमानुसार विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेजा जा रहा है।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'गॉड ऑफ वॉर' टीवी सीरीज में क्रेटोस बनेंगे डेव बटिस्टा

हॉलीवुड एक्टर डेव बटिस्टा की एंट्री पॉपुलर वीडियो गेम फ्रेंचाइजी 'गॉड ऑफ वॉर' की लाइव-एक्शन टीवी सीरीज में हो गई है। वह एक्टर रयान हर्स्ट को रिप्लेस कर रहे हैं। जानिए क्या है पूरा मामला।

अमेजन प्राइम वीडियो और सोनी की इस सीरीज में डेव बटिस्टा को क्रेटोस के रोल के लिए आधिकारिक तौर पर फाइनल कर लिया गया है। डेव बटिस्टा को 'ड्यून' और 'गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी' जैसी फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। रयान हर्स्ट को जनवरी 2026 में क्रेटोस के तौर पर अनाउंस किया गया था। लेकिन जून में शूटिंग के दौरान उनके बाइसेप में गंभीर चोट लग गई। उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और उनकी वजह से प्रोडक्शन को दोबारा शुरू करने में काफी देरी होने वाली थी।

ऐसे में अमेजन और सोनी ने क्रेटोस के रोल के लिए नए एक्टर की तलाश शुरू की। कुछ समय पहले खबर आई थी कि डेव बटिस्टा इस किरदार को निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। अब उन्हें आधिकारिक तौर पर इस रोल के लिए चुन लिया गया है। रयान हर्स्ट के साथ शूट किए गए सभी सीन्स को दोबारा शूट किया जाएगा। वहीं, डेव बॉतिस्ता के जुड़ने के बाद माना जा रहा है कि सीरीज की शूटिंग आने वाले हफ्तों में फिर से शुरू हो सकती है। क्रेटोस अपने बेहद मजबूत और मस्कुलर शरीर के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में इस किरदार के लिए डेव बटिस्टा को काफी फिट माना जा रहा है। वह खुद भी लंबे समय से शानदार फिजिकल शेप में रहे हैं और एक्शन रोल्स का अच्छा अनुभव रखते हैं।

टॉलीवुड

रजनीकांत की जेलर 2 के गाने पर भड़के यूजर्स,फिल्म मेकर्स को दी बड़ी सलाह

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' इन दिनों काफी चर्चा में बनी हुई है. हाल ही में फिल्म का एक प्रमोशनल वीडियो जारी किया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि फिल्म के गाने में मलयालम उच्चारण सही तरीके से नहीं किया गया है. इस पर यूजर्स ने मेकर्स को सलाह दी है.

साउथ सिनेमा के दिग्गज के एक्टर रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म 'जेलर 2' इन दिनों काफी चर्चा में बनी हुई है. फिल्म का हाल ही में एक प्रमोशनल गाना रिलीज किया गया था, जिसके बाद फिल्म के मेकर्स विवाद में फंस गए हैं. इस गाने के भाषा और उच्चारण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. दरअसल , मंगलवार को फिल्म का 'अला बोलेलो' नाम का एक 32 सेकंड का टीजर जारी किया गया है. हालांकि, अब मलयालम भाषा बोलने वाले लोगों के एक वर्ग का दावा है कि गाने का उच्चारण सही तरीके से नहीं किया गया है. इस बात को लेकर मलयालम भाषा बोलने वाले लोगों ने आपत्ति जताई है.रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' के लिए प्रमोशनल वीडियो का गाना 'अला बोलेलो' में आपको शमना कासिम केरल की पारंपरिक 'कासावु' पोशाक में डांस करती हुई नजर आती है. इस गाने में सुपरस्टार रजनीकांत की एक झलक देखने को भी मिलती है. मूवी की इस गाने को अनिरुद्ध रविचंदर के द्वारा कंपोज किया गया है. वहीं फिल्म का यह गाना अरुणराजा कामराज ने लिखा है. इस गाने में आपको मलयालम और तमिल भाषा को मिलाकर लिखा गया है. 'जेलर 2' के इस गाने को निरंजना रमन, दीप्ति सुरेश और अपर्णा हरिकुमार ने अपनी आवाज दी है. हालांकि, जब 'जेलर 2' का गाना रिलीज किया गया, जिसके तुरंत बाद ही यूजर्स ने इस गाने को लेकर काफी निराशा फैल गई. दरअसल, यूजर्स ने फिल्म के गाने के उच्चारण को गलत बताया है।

भोजपुरी

नए लुक से मोनालिसा ने ढाया कहर, टैटू ने खींचा फैंस का ध्यान

मोनालिसा ने अपनी नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसमें उन्होंने अलग तरह की ड्रेस में कई शानदार पोज दिए हैं। भोजपुरी स्टार मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरों से अपने फैंस को हैरान कर देती हैं। आज अभिनेत्री ने एक नए लुक में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर उनके फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री मोनालिसा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह वेस्टर्न शॉर्ट ड्रेस पहना है। उनके सीने पर बना टैटू फैंस का ध्यान खींच रहा है। भोजपुरी स्टार ने हल्की ज्वेलरी और खुले बालों से अपने लुक को पूरा किया है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा 'अब तस्वीरें शेयर की हैं। ये बाकी रह गई थीं। मुझे लाइटें बहुत पसंद आईं।' आपको बता दें कि हाल ही में मोनालिसा एक प्रोग्राम में पहुंची। उन्होंने खास तौर से ये ड्रेस उस प्रोग्राम के लिए पहनी थी। 43 साल की मोनालिसा अपनी फिटनेस के लिए मशहूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह फिट रहने के लिए नियमित एक्सरसाइज करती हैं। मोनालिसा की तस्वीरों पर नेटीजंस तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स उन्हें बहुत खूबसूरत बता रहे हैं। इन दिनों अभिनेत्री मिनी टीवी सीरीज 'लव टू हेट यू चैप्टर 2' में नजर आ रही हैं। बता दें कि यह सीरीज 04 अगस्त से ऑलराइट टीवी एप पर स्ट्रीम हो रही है।

कॉउचर ट्रेंड्स इंडियन फैशन

लाइफ स्टाइल

हिन्दुस्तानी फैशन की ट्रेंड रिपोर्ट आ गई है, जो इस सीज़न के सबसे खास रनवे ट्रेंड्स को दिखाती है। ड्रामैटिक घूंघट और सिर के एक्सेसरीज़ से लेकर स्कल्पटेड बॉडीस और क्लासिक रेड रंग तक, तरुण तहिलियानी, रिमझिम दादू, जेजे वलाया, रोहित बल और अर्पिता मेहता जैसे डिज़ाइनर्स ने रनवे को एक नया रूप दिया है।

त्योहारों में ऑयली स्किन को ऐसे रखें चमकदार

मेकअप करने से पहले त्वचा को अच्छी तरह तैयार करना भी जरूरी है। अगर आप त्योहारों में बिना चिपचिपेपन के हेल्दी ग्लो चाहती हैं, तो कुछ आसान स्किनकेयर टिप्स आपकी काफी मदद कर सकते हैं। त्योहारों का मौसम आते ही हर कोई खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन पाना चाहता है। लेकिन ऑयली स्किन वालों के लिए फेस्टिव सीजन में त्वचा की देखभाल थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ज्यादा तेल, पसीना, धूल-मिट्टी और लगातार मेकअप करने से चेहरे पर चिपचिपापन, बंद पोर्स, पिंपल्स और ब्लैकहेड्स की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में त्योहार से पहले और त्योहार के दौरान सही स्किनकेयर रूटीन अपनाना जरूरी है। ऑयली स्किन को भी बिना ज्यादा प्रोडक्ट्स के फ्रेश और ग्लोइंग रखा जा सकता है। इसके लिए चेहरे को जरूरत से ज्यादा धोने के बजाय माइल्ड क्लींजर, हल्का मॉइस्चराइजर और ऑयली स्किन के लिए उपयुक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। मेकअप करने से पहले त्वचा को अच्छी तरह तैयार करना भी जरूरी है। अगर आप त्योहारों में बिना चिपचिपेपन के हेल्दी ग्लो चाहती हैं, तो कुछ आसान

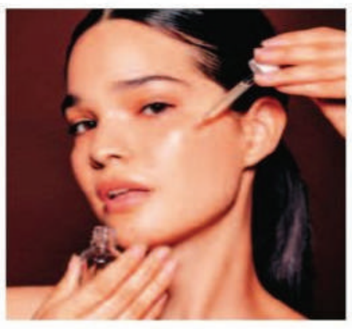

स्किनकेयर टिप्स आपकी काफी मदद कर सकते हैं।

माइल्ड क्लींजर से चेहरा साफ करें

सुबह और रात चेहरे को जेंटल क्लींजर से साफ करें। बहुत ज्यादा चेहरा धोने से त्वचा में जलन या ड्राईनेस हो सकती है।

हल्का मॉइस्चराइजर लगाएं

ऑयली स्किन को भी मॉइस्चराइजर की जरूरत होती है। हल्का, नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉइस्चराइजर चुनना बेहतर विकल्प हो सकता है।

सनस्क्रीन न भूलें

दिन में बाहर निकलने पर ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन लगाएं। ऑयली स्किन के लिए हल्का या जेल-बेस्ड फॉर्मूला आरामदायक लग सकता है।

मेकअप से पहले स्किन प्रेप करें

फेस्टिव मेकअप से पहले चेहरे को साफ करके मॉइस्चराइज करें। जरूरत हो तो मेकअप के लिए उपयुक्त प्राइमर का इस्तेमाल करें।

बहुत ज्यादा लेयरिंग से बचें

एक साथ कई सीरम, क्रीम और एक्टिव प्रोडक्ट लगाने से बचें। त्योहार से ठीक पहले नया या तेज एक्टिव वाला प्रोडक्ट ट्राई करना भी सही नहीं है।

मेकअप अच्छी तरह हटाएं

त्योहार की रात कितनी भी थकान हो, मेकअप हटाकर ही सोएं। इसके बाद चेहरे को साफ करके अपनी सामान्य स्किनकेयर रूटीन अपनाएं।

एक ही आउटफिट से पाईए कई स्टाइलिश लुक, खिलेगा सफेद कुर्ता

सफेद कुर्ता भारतीय वॉर्डरोब का सबसे बहुउपयोगी परिधान है। इसे पलाजो, जींस, शरारा, ऑक्सिडाइज्ड ज्वेलरी, रंगीन दुपट्टे, बेल्ट, जैकेट और स्टाइलिश फुटवियर के साथ अलग-अलग तरीकों से पहनकर आप कैजुअल, ऑफिस, फेस्टिव और पार्टी लुक आसानी से पा सकती हैं। सफेद कुर्ता एक ऐसा क्लासिक आउटफिट है जो कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता। इसकी सादगी, खूबसूरती और बहुउपयोगी डिज़ाइन इसे हर उम्र की महिलाओं की पहली पसंद बनाते हैं। चाहे ऑफिस जाना हो, कॉलेज, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, पूजा, फैमिली फंक्शन या दोस्तों के साथ आउटिंग, एक सफेद कुर्ता हर अवसर के लिए आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

आज के फैशन ट्रेंड में सफेद कुर्ता केवल पारंपरिक पहनावे तक सीमित नहीं है। सही बॉटम वियर, दुपट्टा, ज्वेलरी और फुटवियर के साथ इसे इंडो-वेस्टर्न, फेस्टिव, स्मार्ट कैजुअल या एलीगेंट लुक में बदला जा सकता है। यही वजह है कि फैशन प्रेमियों और स्टाइल एक्सपर्ट्स की वॉर्डरोब में एक सफेद कुर्ता हमेशा मौजूद रहता है। अगर आप भी एक ही कुर्ते से हर बार नया और आकर्षक लुक पाना चाहती हैं, तो यहां बताए गए आसान स्टाइलिंग आइडियाज आपकी मदद करेंगे। इन टिप्स की मदद से आप कम खर्च में अपनी वॉर्डरोब को नया और ट्रेंडी लुक दे सकती हैं।

रंगीन दुपट्टे और पलाजो के साथ दें फेस्टिव लुक

सफेद कुर्ते की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह लगभग हर रंग के साथ खूबसूरत लगता है। रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस या किसी पूजा के लिए इसे बंधनी, फुलकारी, चिकनकारी या ब्लॉक प्रिंट वाले रंगीन दुपट्टे के साथ पहनें। नीचे मैचिंग पलाजो या स्ट्रेट पैंट पहनकर लुक को और आकर्षक बनाया जा सकता है।

एथनिक लुक के लिए आसान हेयरस्टाइल बिना पार्लर जाए मिनटों में दिखें खूबसूरत

त्योहारों, शादी-ब्याह, पूजा, पारिवारिक समारोह या किसी खास अवसर पर जब भी हम साड़ी, सूट, अनारकली या लहंगा पहनते हैं, तो सबसे बड़ी चिंता होती है कि कौन-सी हेयरस्टाइल पूरे लुक को और भी खूबसूरत बनाएगी। अक्सर लोग सोचते हैं कि आकर्षक हेयरस्टाइल बनाने के लिए पार्लर जाना जरूरी है, लेकिन ऐसा नहीं है। कुछ आसान और ट्रेंडी हेयरस्टाइल ऐसी भी हैं जिन्हें आप घर पर केवल 5-10 मिनट में तैयार कर सकती हैं।

सही हेयरस्टाइल न केवल आपके एथनिक आउटफिट की खूबसूरती बढ़ाती है, बल्कि चेहरे के फीचर्स को भी उभारती है। यदि इसमें गजरा, छोटे फूल, मोती वाले हेयरपिन या स्टाइलिश एक्सेसरीज़ जोड़ दिए जाएं, तो साधारण लुक भी बेहद एलिगेंट दिखाई देता है। इस समय मिनिमल और नेचुरल हेयरस्टाइल का ट्रेंड काफी लोकप्रिय है। ऐसे हेयरस्टाइल जो आरामदायक हों, लंबे समय तक टिके रहें और हर तरह के आउटफिट के साथ मैच करें, उन्हें सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन या किसी खास

मौके पर बिना ज्यादा मेहनत किए स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये आसान हेयरस्टाइल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं।

क्लासिक लो बन

लो बन एथनिक आउटफिट के साथ सबसे पसंदीदा हेयरस्टाइल में से एक है। इसे साड़ी, सिल्क सूट या लहंगे के साथ आसानी से बनाया जा सकता है। बीच की मांग या साइड पार्टिंग करके बालों का साफ-सुथरा बन बनाएं और चाहें तो गजरा, ताजे फूल या मोती वाले हेयर एक्सेसरीज से सजाएं।

कश्मीरी चूड़ियों से झुमकों तक, रक्षाबंधन पर ये ट्रेंडी ज्वेलरी लुक कर देगी सबसे अलग

रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही महिलाओं और लड़कियों के बीच ट्रेडिशनल आउटफिट और ज्वेलरी को लेकर उत्साह बढ़ जाता है। अगर आप इस राखी पर अपने लुक में कुछ नया और खूबसूरत जोड़ना चाहती हैं, तो कश्मीरी ज्वेलरी एक शानदार विकल्प हो सकती है।

कश्मीरी चूड़ियों से लेकर कश्मीरी झुमकों तक, इनकी रंग-बिरंगी डिजाइन और पारंपरिक कारीगरी फेस्टिव लुक को खास बना देती है। खास बात यह है कि ऐसी ज्वेलरी को आप साड़ी, सूट, अनारकली या इंडो-वेस्टर्न आउटफिट के साथ आसानी से स्टाइल कर सकती हैं। लाल, हरा, नीला, गोल्डन और मैरून जैसे रंग रक्षाबंधन के मौके पर बेहद खूबसूरत लगते हैं।

अगर आप इस बार एक ऐसा लुक

चाहती हैं जो ट्रेडिशनल होने के साथ-साथ मॉडर्न भी दिखे, तो कश्मीरी ज्वेलरी के इन ट्रेंडी डिजाइन को अपने राखी कलेक्शन में जरूर शामिल करें।

कश्मीरी चूड़ियां

रंगीन कांच, मेटल या पारंपरिक पैटर्न वाली चूड़ियां आपके फेस्टिव लुक में चार चांद लगा सकती हैं। इन्हें मैचिंग सूट या साड़ी के साथ पहनें।

कश्मीरी झुमके

पारंपरिक मोटिफ और रंगीन डिटेलिंग वाले झुमके सिंपल आउटफिट को भी स्टाइलिश बना सकते हैं। इन्हें खासतौर पर कुर्ती या अनारकली के साथ ट्राई करें

कश्मीरी नेकलेस

अगर आपका आउटफिट सादा है तो एक स्टेटमेंट नेकलेस पूरे लुक को आकर्षक बना सकता है। हैवी नेकलेस के साथ हल्के ईयररिंग्स रखें। मिनिमल लुक पसंद करने वाली महिलाएं छोटे पेंडेंट और मैचिंग ईयररिंग्स चुन सकती हैं। ऑफिस से लेकर राखी सेलिब्रेशन तक यह स्टाइल आसानी से पहना जा सकता है।

कार्नर न्यूज

अपनी स्टाइल के लिए दीजिए कपड़ों पर खास ध्यान

हर वार्डरोब में होने चाहिए कुछ ऐसे कपड़े आपकी स्टाइलिंग होगी मिनटों में आसान

सही बेसिक कपड़ों का कलेक्शन न सिर्फ स्टाइलिंग आसान बनाता है, बल्कि कम कपड़ों में ज्यादा आउटफिट कॉम्बिनेशन तैयार करने में भी मदद करता है। आइए जानते हैं ऐसे 10 फैशन पीसेज, जो हर वार्डरोब में होने चाहिए।

फैशन की दुनिया में ट्रेंड्स आते-जाते रहते हैं, लेकिन कुछ कपड़े और एक्सेसरीज ऐसी होती हैं जो हर वार्डरोब की जरूरत बन जाती हैं। इन्हें बेसिक फैशन पीसेज कहा जा सकता है, क्योंकि इन्हें अलग-अलग आउटफिट्स के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है। एक अच्छी फिटिंग वाली सफेद शर्ट से लेकर क्लासिक ब्लू जींस, ब्लैक ट्राउजर और आरामदायक स्नीकर्स तक, ये चीजें रोजमर्रा के साथ-साथ दफ्तर, आउटिंग और कैजुअल मौकों पर भी काम आती हैं। खास बात यह है कि इन बेसिक पीसेज को थोड़ी क्रिएटिविटी के साथ अलग-अलग लुक में पहना जा सकता है। अगर आपकी अलमारी कपड़ों से भरी है लेकिन फिर भी रोज यह सवाल रहता है कि 'आज क्या पहनें?', तो शायद

आपको कुछ जरूरी बेसिक की कमी है। सही बेसिक कपड़ों का कलेक्शन न सिर्फ स्टाइलिंग आसान बनाता है, बल्कि कम कपड़ों में ज्यादा आउटफिट कॉम्बिनेशन तैयार करने में भी मदद करता है। आइए जानते हैं ऐसे 10 फैशन पीसेज, जो हर वार्डरोब में होने चाहिए।

सफेद शर्ट : एक क्लासिक सफेद रंग की शर्ट सबसे वर्सटाइल फैशन पीसेज में से एक है। इसे जींस के साथ कैजुअल, ट्राउजर के साथ ऑफिस लुक और ब्लेजर के साथ फॉर्मल अंदाज में पहना जा सकता है।

क्लासिक ब्लू जींस: ब्लू डेनिम लगभग हर मौसम और मौके के लिए उपयोगी है। स्ट्रेट, रिलैक्स्ड या स्लिम फिट जैसी पसंद के अनुसार इसे टी-शर्ट, शर्ट या टॉप के साथ स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक ट्राउजर: ब्लैक ट्राउजर वार्डरोब का ऐसा बेसिक है जिसे फॉर्मल और स्मार्ट-कैजुअल दोनों लुक में इस्तेमाल किया जा सकता है।न्यूट्रल रंग होने के कारण यह कई तरह के टॉप और शर्ट के साथ आसानी से मैच होता है।

बेसिक व्हाइट या ब्लैक टी-शर्ट: सादा टी-शर्ट किसी भी कैजुअल वार्डरोब की नींव है। इसे अकेले पहनने के अलावा शर्ट, जैकेट या ब्लेजर के अंदर लेयर किया जा सकता है।

न्यूट्रल कलर का ब्लेजर: ब्लैक, नेवी या बेज ब्लेजर साधारण आउटफिट को तुरंत पॉलिस्ड लुक दे सकता है। दफ्तर की मीटिंग से लेकर डिनर तक इसे अलग-अलग तरह से स्टाइल किया जा सकता है।

डेनिम जैकेट: डेनिम जैकेट कैजुअल लुक के लिए एक टाइमलेस विकल्प है। इसे टी-शर्ट, ड्रेस, टॉप या स्वेटर के ऊपर पहना जा सकता है।

आरामदायक स्नीकर्स: एक अच्छी क्वालिटी के व्हाइट या न्यूट्रल स्नीकर्स कई आउटफिट्स के साथ काम आते हैं। ये जींस, ट्राउजर, कैजुअल ड्रेस और यहां तक कि कुछ स्मार्ट-कैजुअल लुक के साथ भी पहने जा सकते हैं।

ब्लैक या न्यूट्रल फुटवियर: एक क्लासिक ब्लैक शू, लोफर या बैले फ्लैट जैसी जोड़ी अलग-अलग अवसरों के लिए उपयोगी होती है।